RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●12 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक - 314 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

सीएम कैबिनेट का फैसला

किसानों को गेहूं के समर्थन मूल्य पर 125 रुपए बोनस

आयुष्मान कार्ड धारकों को मिलेगा पीएमश्री एयर एंबुलेंस का लाभ

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों को गेहूं के उपार्जन से पहले समर्थन मूल्य 2275 रुपए पर 125 रुपए बोनस देने का फैसला लिया है। वहीं पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ आयुष्मान कार्ड धारकों को मिलेगा। सभी जिला अस्पतालों में निःशुल्क शव वाहन देने का निर्णय भी लिया गया है। सोमवार को डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की बैठक हुई। उसमें इन फैसलों को मंजूरी दी गई। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक के बाद इसकी जानकारी दी।

- **मेडिकल कॉलेजों के पास 13 नए नर्सिंग कॉलेज भी खुलेंगे-** विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट ने नए मेडिकल कॉलेज के लिए 1200 करोड़ की स्वीकृति दी है। नीमच, मंदसौर, श्योपुर, सिंगरौली के लिए उपकरण व अन्य सामग्रियों की उपलब्धता का काम होगा। साथ ही केंद्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत नए मेडिकल कॉलेज के पास 13 नर्सिंग कॉलेज खोले जाएंगे। इसमें 192 करोड़ का खर्च आएगा। इसके लिए केंद्र भी राशि देगा। उज्जैन में नए मेडिकल कॉलेज और 100 बिस्तर अस्पताल के लिए 592 करोड़ की मंजूरी दी गई।
- **जिला अस्पतालों में होंगे शव वाहन-** सीएम मोहन यादव ने कहा है कि सभी जिला अस्पतालों में शव वाहन नि :शुल्क रखा जाएगा। यह गरीबों के लिए काम आएगा। कलेक्टर और सीएमएचओ को नि :शुल्क शव वाहन दिलाने का अधिकार दिया जाएगा।

एमपी इंदौर हाईकोर्ट ने दिए

म.प्र.धार भोजशाला का सर्वे कराने के आदेश

छह सप्ताह में सौंपे रिपोर्ट

भोपाल/ इंदौर (एजेंसी)। ज्ञानवापी की तर्ज पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार भोजशाला का सर्वे कराने के आदेश दे दिए हैं। इस मुद्दे पर सुनवाई के बाद सोमवार को कोर्ट ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) को पांच एक्सपर्ट की टीम बनाने को कहा है। छह सप्ताह में इस टीम को अपनी रिपोर्ट बनाकर सौंपनी होगी।

बता दें कि अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने मामले को लेकर ट्वीट किया है। उन्होंने आदेश की कॉपी के साथ लिखा है कि मध्य प्रदेश में भोजशाला/धार के एएसआई सर्वेक्षण के लिए मेरे अनुरोध को इंदौर उच्च न्यायालय ने अनुमति दे दी है...। गौरतलब है कि हिंदू पक्ष की ओर से इसका पुरातात्विक सर्वेक्षण कराने की मांग की गई थी। जिस पर इंदौर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, हिंदू पक्ष ने यहां होने वाली

नमाज पर भी रोक लगाने की मांग की थी। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है, जिसका नाम राजा भोज पर रखा गया था।

पहले जान लेते हैं क्या है भोजशाला विवाद- धार की भोजशाला राजा भोज ने बनवाई थी। जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार यह एक यूनिवर्सिटी थी, जिसमें वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की गई थी।

मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में बदल दिया था। इसके अवशेष प्रसिद्ध मौलाना कमालुद्दीन मस्जिद में भी देखे जा सकते हैं। यह मस्जिद भोजशाला के कैंपस में ही स्थित है जबकि देवी प्रतिमा लंदन के म्यूजियम में रखी है।

हिंदू मुस्लिम दोनों पक्षों को अनुमति- भोजशाला में शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर एक से तीन बजे तक प्रवेश दिया जाता है। वहीं मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना करने की अनुमति है। दोनों पक्षों को इसके लिए निःशुल्क प्रवेश है। बाकी के दिनों में एक रुपए का टिकट लगता है। इसके अलावा वसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए हिंदू पक्ष को पूरे दिन पूजा और हवन करने की अनुमति है।

कोर्ट ने सर्वे की वीडियोग्राफी करने के लिए कहा- हाईकोर्ट ने पूरे सर्वे की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा है कि जीपीआर-जीपीएस तरीके से इस वैज्ञानिक सर्वे को कराया जाए।

इस आधार पर सर्वे की मांग स्वीकार हुई- हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने एक मई 2022 को इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि भोजशाला का पूर्ण आधिपत्य हिंदुओं को सौंपा जाए।

गाजीपुर में बारात से भरी बस पर गिरा हाईटेंशन तार

- **आग लगने से 4 की मौत, चंद सेकंड में पूरी बस जली, नाराज ग्रामीणों ने किया पथराव**

गाजीपुर (एजेंसी)। गाजीपुर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर चलती बस में आग लग गई। जिसमें 4 लोगों के जिंदा जलकर मौत की सूचना है। हालांकि मरने वालों का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है। वहीं, कुछ झुलसे लोगों को अस्पताल भी भेजा गया है। बस में कुल 50 बाराती सवार थे।

घटना के बाद गुस्साए लोगों ने पुलिस प्रशासन पर जमकर पथराव किया। डीएम आर्यका अखौरी, पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह और एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। अभी वह ग्रामीणों को समझाने में लगे हैं। हादसे के वक्त बस मऊ के खिरिहा खाजा से बारात लेकर महाहर धाम जा रही थी। सिर्फ एक किलोमीटर का रास्ता बचाने के लिए मेन रोड की जगह शॉर्टकट से जा रहे थे।

जिंदा बची महिला ने बताया मेरी बच्ची और ननद जल गई

बस हादसे में जिंदा बची महिला ने बताया कि जैसे ही आग लगी मैं आगे बैठी थी बस से नीचे उर गई। बाकी कई लोग नहीं उतर पाए मेरी बच्ची भी नहीं निकल पाई। मेरी ननद भी जिंदा जल गई। कई बाराती की मौत हुई है। मेला लगा होने के नाते पुलिस ने हमें उस रास्ते से नहीं जाने दिया। मजबूरी में बस को नहर के रास्ते ले जना पड़ा तभी मंदिर कुछ ही दूर बाकी था तभी ये हादसा हुआ गांव से 11 परिवार के 50 लोग बस में सवार थे।

गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक ने कहा हादसों पर किसी का वश नहीं

एसपी ओमवीर सिंह ने कहा कि कहीं न कहीं प्रशासनिक और बिजली विभाग की फेल्योर है। मेले की वजह से डाइवर्जन हुआ है। हर साल मेला लगता है। इस लिए डाइवर्जन किया गया। हम और डीएम सर आए थे।

सीएए, सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट लागू, नोटिफिकेशन जारी

- **गैर मुस्लिम पाक, बांग्ला और अफगान शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले देश में सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट लागू हो गया है। सरकार ने सोमवार शाम को नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इससे पहले कहा गया था को पीएम मोदी इस पर खुद ऐलान करेंगे। लेकिन बाद में ये खबरें गलत साबित हुईं।

मोदी ने अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर वैज्ञानिकों को बधाई दी

मोदी ने सिर्फ अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मिशन दिव्यास्त्र के लिए हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है।

शाह ने कहा था- सीएए लोकसभा चुनाव के पहले लागू होगा- गृह मंत्री अमित शाह ने 10 फरवरी को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले देश में सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएए देश का एक्ट है, इसे हम यकीनन नोटिफाई करेंगे। इसे चुनाव से पहले नोटिफाई किया जाएगा और चुनाव से पहले इसे लागू भी किया जाएगा। इसे लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं होना चाहिए।

हरियाणा-गुरुग्राम में पीएम मोदी ने

द्वारका एक्सप्रेस-वे समेत 112 प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया, रोड शो किया

- **विकास में सबसे ज्यादा दिक्कत कांग्रेस को है**
- **कांग्रेस चुनावी सरकार चलाती थी; घोषणा कर घोंसले में छुप जाती : मोदी**

गुरुग्राम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के गुरुग्राम से सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे समेत 112 प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने रोड शो निकाला और द्वारका एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा सीएम मनोहर लाल समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के इस विकास में अगर सबसे ज्यादा किसी को दिक्कत है तो वह कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन को। उनकी नींद खराब हो गई है। देश कहां से कहा पहुंच गया, लेकिन कांग्रेस और उनके दोस्तों का चश्मा नहीं बदला। उनके चश्मे का नंबर अभी भी वही है ऑल नेगेटिव।

उन्होंने कहा कि ये तो वो लोग हैं जो केवल चुनावी सरकार चलाते थे। इन्होंने 2006 में 1000 करोड़ किलोमीटर का एक्सप्रेस वे बनाने की घोषणा की थी, लेकिन वह घोंसले में घुस गए, लेकिन इसको हमने 2018 में पूरा किया। पीएम ने कहा कि मेरा सपना है कि 2047 तक देश विकसित होना चाहिए।

लोगों ने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाई- पीएम ने कहा कि विकास के इस उत्सव के लिए आइए मेरे साथ अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चालू कीजिए। चारों तरफ जिन-जिन के पास मोबाइल है, ये विकास का उत्सव है। विकास का संकल्प है। मेहनत करने का संकल्प है। मेरे साथ बोलिए भारत माता की जय।

2047 तक देश विकसित होना चाहिए- उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 दशक में जो गड्ढे खोदे थे वह तेजी से भरे जा रहे हैं। ये मोदी की गारंटी है। साथियो आप सभी को इस विकास के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मेरा सपना है कि 2047 तक देश विकसित होना चाहिए। हमारा हरियाणा विकसित होना चाहिए। हिंदुस्तान का कोना-कोना विकसित होना चाहिए।

हाईस्पीड कॉरिडोर बनाने पर फोकस- पीएम ने कहा कि आज हम देश में 9 हजार किलोमीटर हाईस्पीड कॉरिडोर बनाने पर फोकस कर रहे हैं। इसमें से 4 हजार किलोमीटर कॉरिडोर बनकर तैयार हो चुका है। आज 21 शहरों में मेट्रो की सुविधा है। इन कामों के पीछे लंबी प्लानिंग लगती है।

ये काम विकास के विजन से होते हैं। ये काम तब होते हैं जब नीयत सही होती है।

सैनिकों के प्रति सम्मान भावना हमारा नैतिक दायित्व : मंगुभाई पटेल

- **सैनिक कल्याण के लिए बड़ी राशि देने वालों का राज्यपाल ने किया सम्मान**
- **राजभवन में समामेलित विशेष निधि की 23वीं वार्षिक बैठक हुई**

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना हम सबका नैतिक दायित्व है। इससे सीमा पर तैनात सैनिकों में आत्मविश्वास एवं नई ऊर्जा का संचार होता है। यह सम्मान उनके परिजनों को भी मानसिक और भावनात्मक संबल देता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन में आयोजित समामेलित विशेष निधि (ए.एस.एफ) के लिए विशेष सहयोग करने वालों के लिए सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा सैनिक कल्याण के लिए एक लाख रुपए से अधिक राशि का सहयोग देने वाले 24 व्यक्तिगत और संस्थागत सहयोगकर्ताओं 4 संभागों एवं जिलों को सम्मानित किया। समारोह में प्रमुख सचिव गृह श्री संजय दुबे, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल, अधिकारीगण और सहयोगकर्ता उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर जन सहयोग से लगभग 4 करोड़ 36 लाख से अधिक राशि का संग्रहण उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने लक्ष्य से अधिक सहयोग राशि का संग्रहण करने वाले संभागायुक्तों और कलेक्टर्स के प्रयासों की सराहना की तथा सहयोगकर्ताओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन और आभार प्रदर्शन संचालक, सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर श्री अरुण नायर ने किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री पवन शर्मा, संभागायुक्त सागर श्री वीरेन्द्र सिंह रावत, संभागायुक्त जबलपुर श्री अभय वर्मा, संभागायुक्त उज्जैन डॉ. संजय गोयल को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

चुनावी बॉन्ड की जानकारी मुहैया कराने को एसबीआई ने मांगे तीन महीने

सुप्रीम कोर्ट ने दिए 24 घंटे, फटकार लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मामले पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ के सदस्य जस्टिस खन्ना ने एसबीआई के वकील हरीश साल्वे से कहा कि आपने बताया कि इलेक्टोरल बॉन्ड की पूरी जानकारी एक सील कवर लिफाफे में रखी गई है तो ऐसे में आपको सिर्फ सील कवर खोलकर जानकारी देनी है।

चुनावी बॉन्ड मामले पर सुप्रीम कोर्ट में एसबीआई को राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एसबीआई आज तक ही जानकारी दे और 15 मार्च तक चुनाव आयोग उस जानकारी को सार्वजनिक करे। एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में

याचिका दायर कर इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने के समय सीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग की थी। एसबीआई की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए। साल्वे ने कोर्ट को बताया कि सर्वोच्च अदालत के आदेश के बाद एसबीआई ने नए इलेक्टोरल बॉन्ड्स जारी करने पर रोक लगा दी है, लेकिन समस्या ये है कि जो इलेक्टोरल बॉन्ड जारी हुए हैं उस पूरी प्रक्रिया को पलटना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की दलील मानने से इनकार कर दिया और कल तक ही जानकारी देने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को कहा आज ही दे बॉन्ड जानकारी

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आप (एसबीआई) कह रहे हैं कि दानदाताओं और राजनीतिक पार्टियों की जानकारी सील कवर के साथ एसबीआई की मुंबई स्थित मुख्य शाखा में है। मैचिंग प्रक्रिया में समय लगेगा, लेकिन हमने आपको मैचिंग करने के लिए कहा ही नहीं था और हमने सिर्फ स्पष्ट डिस्कलोजर मांगा था। मामले पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ के सदस्य जस्टिस खन्ना ने एसबीआई के वकील हरीश साल्वे से कहा कि आपने बताया कि इलेक्टोरल बॉन्ड की पूरी जानकारी एक सील कवर लिफाफे में रखी गई है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 12 मार्च, 2024

संक्षिप्त समाचार

शिकारियों को सूंघकर ढूंढने के लिए तैयार हो रहीं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की डॉग टीना

नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र में फॉरेस्ट और टाइगर रिजर्व में वन्यप्राणियों की सुरक्षा व शिकारियों तक सूंघकर पहुँचने में मदद करने वालें डॉग्स को ट्रेनिंग दी जा रहीं है। प्रदेश में कार्यरत समस्त 17 डॉग स्क्वाड (डॉग हैण्डलर एवं सहायक हैण्डलर) का 7 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स वन विद्यालय शिवपुरी में जारी है। इस कोर्स में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की डॉग टीना भी ट्रेनिंग लेने पहुंची है। प्रदेश में फाउंडर सेविंग टाइगर सोसायटी कोलकाता एवं ट्राफिक इंडिया नई दिल्ली से प्रदाय किए गए प्रशिक्षित स्नीफर डॉग की सहायता से वन एवं वन्यप्राणी अपराध पर अंकुश लगाने में व प्रकरण को सुलझाने में कई सफलता मिली है। वर्तमान में प्रदेश में कार्यरत समस्त 17 डॉग स्क्वाड को 11 मार्च तक रिफ्रेशर कोर्स ट्रेनिंग दी जा रहीं हैं। डॉग की जाल, फंदे, ट्रैक, पानी कुंड, करेंट, खुटी से संबंधित ट्रेनिंग चल रही है। ताकि वन्यप्राणियों की सुरक्षा में बेहतर काम कर सकें। डॉग हैंडलर पदम सिंह राजपुत ने बताया सतपुड़ा की डॉग टीना भी अपना जलवा बिखेर रही है। डॉग सहायक हैण्डलर सेवराम युइके, वाहन चालाक चरणजीत महूवर भी ट्रेनिंग में शामिल है। टेनर धन्य कुमार उपाध्याय, रिटायर्ड एसआई पुलिस से और रिटायर्ड डीएसपी अमरेंट सिंह बघेल, सेविंग सोसायटी समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सेन गुप्ता के निर्देशन में ट्रेनिंग जारी है।

भ्रामक एवं फर्जी पेपर वायरल करने वालों के विरूद्ध होगी सख्त वैधानिक कार्यवाही

हरदा (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ली जा रही पॉचवीं आठवीं कक्षाओं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के फर्जी एवं भ्रामक प्रश्न पत्र सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले कतिपय असामाजिक व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। राज्य शिक्षा केन्द्र के मूल्यांकन नियंत्रक श्री एच.जी. खरे ने पुलिस आयुक्त, साईबर क्राईम कार्यालय भोपाल में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म यू-ट्यूब और टेलीग्राम पर कतिपय असामाजिक व्यक्तियों द्वारा निजी लाभवश परीक्षा के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का प्रलोभन देकर विद्यार्थियों और अभिभावकों को भ्रामक एवं फर्जी प्रश्न पत्र उपलब्ध कराये जा रहे हैं।संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र श्री धनराजू एस ने कहा है कि ऐसे कृत्यों से परीक्षाओं की शुचिता पर सवाल उठते हैं, वहीं विद्यार्थी भी गुमराह एवं हतोत्साहित हो रहे हैं। इससे उनकी मनोदशा पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ने की भी आशंका है। राज्य शिक्षा केन्द्र की ओर से ऐसे व्यक्तियों के विरूध्द कठोर वैधानिक कार्यवाही के लिए साईबर पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।संचालक श्री धनराजू एस ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी प्रलोभन में न आयें और पूरे मनोयोग से अपनी परीक्षा दें। उन्होंने कहा कि, साईबर अपराधी विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जानकारियों का दुरूपयोग कर उन्हें किसी भी आपराधिक प्रकरण में संलिप्त सकते हैं। इनके प्रलोभन में फंसकर विद्यार्थी का आर्थिक नुकसान तो होगा ही, साथ ही आपराधिक संलिप्तता का प्रकरण भी दर्ज हो सकता है। अतः विद्यार्थी और अभिभावक ऐसी मिथ्या अफवाहों एवं प्रलोभन से सदैव बचें।

नगरीय निकायों में राजस्व वसूली के तहत अधिभार में छूट आचार संहिता लागू होने तक जारी रहेगी

हरदा (निप्र)। नगरीय निकायों में वित्तीय वर्ष 2023-24 की राजस्व वसूली अंतर्गत अधिभार में दी जा रही छूट आदर्श आचरण संहिता लागू होने तक जारी रहेगी। उपसचिव मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग भोपाल श्री आर.के. कार्तिकेय ने बताया कि 9 मार्च 2024 में आयोजित नेशनल लोक अदालत के लिए सम्पत्तिकर, जलकर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के मात्र अधिभार में छूट प्रदान की गई थी। इसी अनुक्रम में वित्तीय वर्ष 2023-24 में राजस्व वसूली के तहत सम्पत्तिकर, जलकर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के मात्र अधिभार में चुनावी आदर्श आचार संहिता लागू होने तक छूट प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाने का कार्य कर रही भाजपा सरकार

- गरीबों की जिंदगी बचाने का कार्य करेगा आयुष्मान कार्डधारियों को एयर एंबुलेंस की सुविधा
- भाजपा सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने लगातार बढ़ा रही चिकित्सा सुविधाएं - भगवानदास सबनानी

भोपाल। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए कार्य कर रही है। किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में 6 हजार और मध्यप्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत प्रति वर्ष 6 हजार रूपए दिए जा रहे हैं। इस तरह से प्रदेश के करीब 80 लाख किसानों को प्रति वर्ष भाजपा की डबल इंजन सरकार 12 हजार रूपए प्रतिवर्ष दे रही है। भाजपा सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में भी लगातार वृद्धि कर रही हैं। यह बात पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने मध्यप्रदेश सरकार के आज कैबिनेट बैठक में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद पर किसानों को प्रति क्विंटल 125 रूपए बोनस देने के निर्णय पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कही।

पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि किसानों को समर्थन मूल्य की सुविधा देने के साथ खाद और बीज के साथ कृषि उपकरणों में सब्सिडी की सुविधा भाजपा सरकार पहले से दे रही है। अब किसानों को जमीनों की रजिस्ट्री कराने के बाद नामांतरण के लिए भी पटवारी व तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साइबर तहसील के माध्यम से अब किसानों की जमीनों का नामांतरण आसानी से हो जाएगा। भाजपा सरकार गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रूपए प्रति क्विंटल पर राज्य सरकार ने 125 रूपए प्रति क्विंटल बोनस देकर किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है।

गरीबों को मिलेगी एयर एंबुलेंस की सुविधा

सबनानी ने कहा कि गरीबों के स्वास्थ्य को लेकर हमेशा चिंता करती है, इसलिए प्रदेश में एमपी में आदिवासी बहुल जिलों बालाघाट, मंडला, खरगोन, धार, सीधी और खंडवा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई मध्यप्रदेश कैबिनेट की बैठक में आयुष्मान कार्ड धारकों को पीएम श्री एंबुलेंस की सुविधा प्रदान करने का बड़ा ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को गंभीर बीमारी होने पर तुरंत बड़े चिकित्सालय में भर्ती कराया जा सकेगा और उनकी जान बचाई जा सकेगी। प्रदेश सरकार ने उज्जैन में नया मेडिकल कॉलेज के साथ प्रदेश में 13 नए नर्सिंग कॉलेज खोलने का जो निर्णय लिया है, उससे प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाएं और सुदृढ़ होने के साथ लोगों को आसानी से बेहतर उपचार मिल सकेगा। साथ ही नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करके युवा देश-प्रदेश में रोजगार भी प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया केन-बेतवा जल कलश यात्रा का शुभारंभ

13 मार्च तक संबंधित ग्रामों में आयोजित होंगे जल जागरूकता कार्यक्रम

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशा भाऊ ठाकरे कन्वेंशन हाल भोपाल में केन-बेतवा जल कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा राजेन्द्र शुक्ला, सांसद वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी विशेष रूप से मौजूद थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न पदों पर नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। संबंधित गाँवों में 11 मार्च से 13 मार्च तक जल जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के 17 जिलों के संभावित 3 हजार 614 लाभान्वित गांवों में कलश यात्रा तथा जल आधारित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इस कार्यक्रम का इंदौर जिले में अनेक जगह सीधा प्रसारण दिखाया गया।

इंदौर में यह कार्यक्रम सांसद शंकर लालवानी की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर लालवानी ने जिले के नवनियुक्त 74 पटवारियों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने उनके भविष्य की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रोशन राय भी मौजूद थे। बताया गया कि सभी संभावित लाभान्वित ग्रामों में मुख्य मार्गों पर कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें अधिक से अधिक संख्या में ग्रामवासी शामिल होंगे, जिनमें गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, किसान, महिलाएं एवं छात्र-छात्राएं भी होंगे। इन गाँवों में केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा पार्वती -कालीसिंध- चंबल लिंक परियोजना के महत्व तथा जल की आवश्यकता पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक, भजन मंडली द्वारा भजन प्रस्तुति एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही इन गाँवों के स्कूलों में जल पर केंद्रित चित्रकला, निबंध, खेलकूद, वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित किए जाएंगे। इन गाँवों में जल पर आधारित दीवार लेखन एवं अन्य प्रचार प्रसार भी किया जाएगा। इन सभी गांवों में चलित वाहनों के माध्यम से परियोजना के लाभ एवं जल के महत्व पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। कार्यक्रमों में स्व सहायता समूह, स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री सिसोनिया ने की स्वास्थ्य कार्यक्रमो की समीक्षा

हरदा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकार हरदा के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिसोनिया ने जिले में चलाये जा रहे वयस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान की समीक्षा कर, बचे हुए सर्वे कार्य को अगले 3 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिन क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता नहीं है वहां ऑगनवाडी कार्यकर्ता का सहयोग लेकर सर्वे कार्य पूर्ण कराने के निर्देश उन्होने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिये। उन्होने जिला महिला बाल विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से पत्र जारी कर 3 दिवस में एडल्ट बीसीजी सर्वे कार्य पूर्ण कराने तथा जिले में पदस्थ डाटा एन्ट्री ऑपरेटरो की डयूटी लगाकर पोर्टल पर शत प्रतिषत एन्ट्री करने एवं सभी पात्र हितग्राहियो को टीकाकरण कराने के निर्देश दिये। श्री सिसोनिया ने गर्भवती महिलाओ के पंजीयन एवं शीघ्र पंजीयन की समीक्षा भी की। उन्होने एसएनसीयू के नोडल अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर एसएनसीयू से डिस्चार्ज बच्चो का फालोअप कार्यकर्ताओ के माध्यम से करने के निर्देश दिये।

इछावर नगर के विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दूंगा: राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर (निप्र)। इछावर नगर को सुंदर और सुव्यवस्थित नगर बनाने के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दूंगा और इछावर की जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। यह बात राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने इछावर में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने तीन करोड रुपए से अधिक के कार्यों का भूमि पूजन किया। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि नगर में पार्क नहीं था। अब एक करोड रुपए की लागत से दो पार्कों का निर्माण दशहरा मैदान और तालाब में किया जा रहा है। वहीं पानी की समस्या के समाधान के लिए दिवडिया फाटक शमशान घाट में पानी की टंकी का निर्माण व पाइप लाइन विस्तार का कार्य प्रारंभ होगा। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की सरकार है और उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। आज समाज के हर वर्ग के व्यक्ति को केंद्र और प्रदेश सरकार की किसी न किसी योजना का लाभ अवश्य मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने मुझ पर जो विश्वास जताया है मैं उसे कभी टूटने नहीं दूंगा। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्री देवेंद्र वर्मा ने कहा कि एक करोड़ की लागत से कमानी नदी के पास स्थित श्मशान घाट में विकास कार्य व सुंदर कार्य की स्वीकृति राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा के प्रयासों से हो गई है, शीघ्र यहां पर भी कार्य शुरू होगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष रेखा जगदीश पटेल, उपाध्यक्ष नीलू शंकर जायसवाल, भाजपा नेता कैलाश सुराणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। तालाब में पार्क निर्माण 50 लाख रुपए, तालाब की पाल सुधारीकरण कार्य 20 लाख रुपए, दशहरा मैदान में पार्क का निर्माण 50 लाख रुपए, अमृत 2.0 योजना, दिवाडीया फाटक पर नई पानी की टंकी, पाइपलाइन विस्तार, सीसी रोड, नाली निर्माण कायाकल्प योजना, शीतला माता मंदिर में सीसी रोड निर्माण सहित अन्य गलियों में सीसी व नाली निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने अनुग्रह सहायता की राशि सिंगल क्लिक से जारी की

विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को हितलाभ स्वीकृति पत्र प्रदाय किए

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के अंतर्गत ग्वालियर में आयोजित प्रदेशयापी कार्यक्रम में प्रदेश के 30 हजार 591 प्रकरणों में सहायता राशि 678 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों को अंतरित की। प्रदेशयापी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने, सुनने के प्रबंध जिला मुख्यालय के साथ-साथ जनपदो में किया गया था। विदिशा जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित ततसंबंधी कार्यक्रम में शामिल विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश शर्मा ने लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदाय किए है। इस दौरान विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, जनपद सीईओ श्री प्रमोद कुमार खरे के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी व हितग्राही मौजूद रहें। इसी प्रकार एनआईसी के व्हीसी कक्ष में श्रम पदाधिकारी श्री एसएन सांगुल्हे व हितग्राही मौजूद रहें। मुख्यमंत्री जी ने आज विदिशा जिले के कुल 497 लाभार्थियों को 11,31,00,000 राशि का अंतरण शामिल है। योजना अंतर्गत अनुग्रह राशि सामान्य मृत्यु में दो लाख तथा दुर्घटना में मृत्यु पर चार लाख रुपये प्रदाय की जाती है।

जनपद व निकायवार जानकारी

मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना की अनुग्रह सहायता राशि का वितरण आज सिंगल क्लिक से जारी की है जिसमें जिले के 497 लाभार्थियों को 11 करोड़ 31 लाख रुपए की सहायता राशि का वितरण किया गया है। जनपद व निकायवार लाभांवित होने वाले हितग्राहियों की संख्या व राशि तदानुसार जिले की जनपद पंचायत क्रमश: बासौदा के 120 लाभार्थियों को 2 करोड़ 72 लाख, कुरवाई के 51 लाभार्थियों को एक करोड़ 24 लाख, ग्यारसपुर के 48 लाभार्थियों को एक करोड़ 16 लाख, लटेरी के 20 लाभार्थियों को 48 लाख, नटेरन के 72 लाभार्थियों को एक करोड़ 65 लाख, सिरोंज के 36 लाभार्थियों को 74 लाख तथा जनपद पंचायत विदिशा के 50 लाभार्थियों को एक करोड़ 12 लाख रुपए के अलावा नगर पालिका परिषद विदिशा के 15 लाभार्थियों को 38 लाख, बासौदा के 26 लाभार्थियों को 58 लाख, सिरोंज के 47 लाभार्थियों को एक करोड़, नगर परिषद लटेरी के 07 लाभार्थियों को 14 लाख, शमशाबाद के एक लाभार्थी को दो लाख एवं कुरवाई के चार लाभार्थियों को 8 लाख की अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया है।

नर्मदा किनारे झोपड़ी में आग से जले साधु, मौत, अधजला मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में गनेरा गांव पास नर्मदा नदी किनारे चौका घाट पर एक साधु की कुटिया में आग लग गई। साधु का अधजला शव कुटिया से कुछ दूरी पर नदी किनारे मिला। घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। शनिवार सुबह नर्मदा घाट ग्रामीणों के पहुँचने के बाद घटना उजागर हुई। जिसके बाद माखननगर थाना टीआई राजपाल सिंह जादौन टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस को अनुमान है कि कुटिया में आग जलती हुई धुनी या शॉर्ट-सर्किट से लगी होगी। आग की चपेट में आने पर, बुझाने के लिए साधु नर्मदा नदी की ओर दौड़ रहे होंगे। लेकिन नदी तक नहीं पहुंच पाएं होंगे। पुलिस हर एंगल पर जांच कर रहीं है। थाना टीआई जादौन ने बताया मृतक को शिवा बाबा बोलते थे। कई साल से वो गनेरा में एक ग्रामीण के घर काम करते थे। पिछले 3-4 साल से वे साधु, महाराज बन जीवनयापन कर रहे थे। चौकाघाट किनारे उनकी कुटिया थी। जिसमें वे रहते थे, बोरे के वस्त्र पहनते थे। कुटिया में एक धुनी भी है। जो हमेशा जलती थी। ग्रामीण उन्हें शिवा बाबा बोलते थे। उनकी सही पहचान नहीं हो पाई है। कुटिया में आग का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। हमे अनुमान है कि टापरी में रात में आग धुनी या शॉर्ट सर्किट से लगी होगी। जिसकी चपेट में वे आ गए हों। जिससे खुद को आग से बुझाने के लिए वे नदी की ओर भागे होंगे। साधु का शरीर आधे से ज्यादा झूलस गया। मामले की जांच कर रहे है। क्राइमसीन जैसा कुछ नजर नहीं आया है।

समर्थन मूल्य पर विक्रय के लिए फसल लेकर आने वाले किसानों को नहीं हो कोई परेशानी: कलेक्टर श्री सिंह

सीहोर (निप्र)। किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए गेहूं उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित कर अब तक किसानों के पंजीयन तथा उपार्जन की तैयारी की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने कहा कि उपार्जन के लिए अपनी फसल लेकर आने वाले किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नही हो। उन्होंने कहा कि उपार्जन के दौरान आने वाली किसानों की शिकायतों, समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि जिले के सभी 231 उपार्जन केन्द्रों में सभी व्यवस्थायें दुरूस्त रहें, ताकि उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के बैठने, पीने के पानी, छाया, पार्किंग, बारदाने, तौल- कांटे आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाऐं अच्छी रहें। इसके साथ ही उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर बारदाना, सिलाई मशीन, तौलकांटा की पर्याप्त व्यवस्था रखे जाने के निर्देश दिए। गेहूं के भण्डारण के लिए गोदामों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। गेहूं उपार्जन के पश्चात किसानों को समय पर भुगतान हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने एफएक्यू एवं नान एफएक्यू गेहूं की गुणवत्ता की जांच, तौलपर्ची, ई-उपार्जन व्यवस्था, सर्वेयर की व्यवस्था, धर्मकांटा तौल तथा निर्धारित फार्मेट में आनलाइन भरी जाने वाली जानकारी के संबंध में विस्तार से आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी जिला खाद्य अधिकारी सुनील बोहित सहित सहकारिता, खाद्य, नान, कृषि विभाग से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व प्रसिद्ध भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय महादेव महोत्सव के दूसरे दिवस प्रख्यात कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के विश्व प्रसिद्ध भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय 'महादेव' महोत्सव के दूसरे दिवस उज्जैन की सुश्री कृष्णा वर्मा एवं साथी द्वारा मटकी लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत कोलकाता के श्री सुमन साहा के निर्देशन में सती लीला नाट्य की प्रस्तुति, दिल्ली की सुधा रघुरामन एवं साथी द्वारा शिवभक्ति गायन और नृत्य की प्रस्तुति दी गई। भोपाल के ध्वनि ब्रदर्स द्वारा भी भक्ति गायन की प्रस्तुति दी गई

विधायक डॉ चौधरी ने सामुदायिक भवन और ग्रेवल रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया

रायसेन (निप्र)। सांची विधानसभा की ग्राम पंचायत छीरखेड़ा के ग्राम चादौनी में क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा 15 लाख रुपए लागत से होने वाले सामुदायिक भवन और ग्रेवल रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इंदौर में होली पर 70 फीट ऊंची मिसाइल से उड़ेगा रंग-गुलाल

इंदौर। होली पर शहर में शाही रंगारंग बाना और फाग यात्रा निकलेगी। संस्था मातृभूमि द्वारा 24 मार्च को शाम 6. 30 बजे मल्हारगंज गली नंबर तीन से यह यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में आकर्षण का केंद्र जूनियर सलमान खान होंगे जो फिल्म दबंग के चुलबुल पांडे की भूमिका में नजर आएंगे। टीवी कलाकार तारक मेहता, राजस्थानी नृत्य करने वाले कलाकार, कालबेलिया नृत्य करने वाले कलाकार, आदिवासी नर्तक भी शामिल होंगे। इसके अलावा लोग यात्रा में राम, लक्ष्मण और सीता, राधा-कृष्ण, हनुमानजी की झांकी भी होगी। झांकी में भगवान कृष्ण 70 फीट ऊंची मिसाइल से सुगंधित रंग उड़ाएंगे। महिलाएं फागुन के गीतों पर नृत्य करती चलेंगी। इसके अलावा बैंड, डीजे, ढोल-ताशे भी शामिल होंगे। संयोजक जयदीप जैन ने बताया कि इस रंगारंग बाने में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सुदर्शन गुप्ता, आकाश विजयवर्गीय, गोलू शुक्ला, योगेंद्र महंत आदि प्रमुखता से शामिल होंगे।

इंदौर शहर में दौड़ेंगी 150 ईवी बसें

इंदौर। अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड(एआइसीटीएसएल) द्वारा बीआरटीएस पर ईवी आइ-बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। अब जल्द ही शहर में 150 ईवी बसों का संचालन होगा। यह सभी बसे 9 मीटर लंबी होगी, ताकि तंग रास्तों पर भी संचालन हो सके। वर्तमान में शहर में 65 मिडी बसों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन सभी डीजल से संचालित हो रही है।एआइसीटीएसएल ने भारत सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत 150 मिडी ईवी बसों का प्रस्ताव तैयार कर भेजा है। योजना में 20 से 40 लाख आबादी वाले शहर में 150 ईवी बसों का संचालन का प्रविधान है, जिसमें इंदौर फिट बैठता है। योजना में पीपीपी माडल पर ईवी बसों के संचालन होगा। इसमें टेंडर से लेकर सभी तरह की प्रक्रिया भारत सरकार द्वारा ही की जाएगी। इन ईवी बसों की पार्किंग, चार्जिंग, मेंटेनेंस और सब स्टेशन स्थापित करने के लिए आइएसबीटी, कुमेडी में जगह तय की गई है। यह ईवी एसी बसें मिडी बस श्रेणी में 9 मीटर लंबी होगी। एआइसीटीएसएल पीआरओ माला ठाकुर ने बताया कि केंद्र सरकार की योजन के तहत इन मिडी ईवी बसों का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। टेंडर से लेकर सभी तरह की प्रक्रिया केंद्र स्तर पर ही होगी।

नौ महीने बाद आई सहायता राशि, एकमुश्त जारी की राशि

इंदौर। कोरोना के दौरान जिन बच्चों ने अपने मां या पिता को खोया, उनके लिए केंद्र और राज्य सरकार ने तीन योजनाएं शुरू की हैं। इसमें से दो योजनाओं में पिछले नौ माह से हितग्राही योजनाओं के लाभ के लिए चक्कर लगा रहे थे। हाल ही में महिला बाल विकास विभाग ने इन योजनाओं में शामिल हितग्राहियों को नौ माह की राशि एकमुश्त जारी की है।जानकारी के अनुसार, कोरोना संक्रमण के दौरान कई बच्चों के ऊपर से माता या पिता का साया उठ गया था। इसके चलते केंद्र सरकार ने पीएम केयर और राज्य सरकार ने कोविड बाल सेवा योजना शुरू की थी। पीएम केयर योजना में 32 बच्चों के आवेदन स्वीकृत हुए। इन्हें 18 वर्ष की आयु तक चार हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाने हैं। इसी तरह कोविड बाल सेवा के तहत 56 बच्चों के आवेदन स्वीकृत हुए, जिन्हें हर माह चार हजार रुपये मिल रहे हैं। लेकिन अप्रैल से दिसंबर 2023 तक दोनों योजनाओं में राशि नहीं आई। महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि इन नौ माह की राशि के लिए पिछले माह ही बजट जारी हुआ था। इसके बाद सभी हितग्राहियों को नौ माह की राशि एकमुश्त जारी कर दी गई है। वर्तमान में पीएम केयर में 24 और कोविड बाल सेवा में 48 बच्चों को राशि जारी हो रही है, बाकी के हितग्राही 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं।

इंदौर में 121 दिव्यांगों को सौंपे नियुक्ति पत्र

इंदौर। नेहरू स्टेडियम में दिव्यांग रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर इंदौर में आयोजित किए गए दिव्यांगजनों के रोजगार मेले में चयनित 121 दिव्यांगों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए।इंडेक्स समूह द्वारा भी 11 दिव्यांगों को इस कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इंडेक्स समूह के चेयरमैन सुरेशसिंह भदौरिया व वाइस चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया द्वारा दिव्यांगजनों के लिए यह पहल की गई थी। इस अवसर पर समूह के एडिशनल डायरेक्टर आर सी यादव ने सभी दिव्यांगजनों को इंडेक्स समूह की ओर से नियुक्ति पत्र प्रदान किए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगजनों के प्रति सभी निजी कंपनियों के प्रयासों और नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमारे लिए खास है। दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्र में नौकरी मिलते हुए देख बड़ी खुशी हो रही है। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र एवं रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश भी विशेष रूप से मौजूद थीं।

रबी उपार्जन की तैयारी एवं लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली की संभागीय समीक्षा बैठक 13 मार्च को

इंदौर। रबी उपार्जन की तैयारी एवं लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली की संभागीय समीक्षा बैठक 13 मार्च 2024 को प्रात~ 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक रेसीडेंसी के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। यह बैठक अपर मुख्य सचिव, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न होगी। पूर्व में यह बैठक 14 मार्च को निर्धारित थी, जिसमें संशोधन करते हुए बैठक की तिथि 13 मार्च को निर्धारित की गई है।

संभागायुक्त के निर्देश पर विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा

इंदौर। इंदौर में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में संभागायुक्त मालसिंह की पहल पर इंदौर संभाग के दूरस्थ अंचलों में बसे ग्रामीणों तक चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने हेतु निरंतर निम्शुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न मेडिकल कॉलेज इंदौर से 75 चिकित्सा विशेषज्ञों और मेडिकल कॉलेज खंडवा से 62 चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इंडेक्स समूह के चेयरमैन सुरेशसिंह भदौरिया, मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जीएस पटेल और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. स्वाति प्रशांत के मार्गदर्शन में इसमें इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डॉक्टर्स की टीम ने भी अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। स्वास्थ्य शिविर में जनरल मेडिसिन, जनरल फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग, दंत रोग, जैसे विभागों के चिकित्सकों द्वारा इन रोगों के मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया। मरीजों को एक्स-रे, ई.सी.जी., सोनोग्राफी, पैथोलॉजी जाँच और सिकल सेल जाँच की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ आम नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएँ, जैसे- हेल्थ आईडी के साथ रक्तदान करने के लिए भी काउंटर बनाया गया। स्वास्थ्य प्रदर्शनी के माध्यम से स्वास्थ्य योजनाओं व स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी भी प्रदान की गई।

1 अप्रैल से बढ़ेंगे इंदौर के भाव

रजिस्ट्री की गाइडलाइन में होगा 17 फीसदी का इजाफा

इंदौर। इंदौर की गाइडलाइन में आगामी वित्त वर्ष में इजाफा होने जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इंदौर जिले में औसत 17 फीसदी गाइडलाइन में वृद्धि संभव है, जो कि लगभग दो हजार स्थानों पर रहेगी, जहां पर इस वित्त वर्ष में सर्वाधिक जमीनों-भूखंडों या अन्य सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त हुई है। अभी 31 मार्च तक छुट्टियों के दिन में भी रजिस्ट्री की जा रही है और सभी सब रजिस्ट्रारों के स्लॉट भी 44 से बढ़ाकर 72 कर दिए हैं। दूसरी तरफ 2110 करोड़ रुपए का राजस्व अभी तक पंजीयन विभाग ने हासिल कर लिया है। हालांकि इस बार का लक्ष्य शासन ने 2540 करोड़ रुपए का दिया है। हालाँकि कुछ दिन पूर्व ही पश्चिम रिंग रोड के जमीन अधिग्रहण को लेकर गाइडलाइन में संभावित वृद्धि के चलते अब रजिस्ट्रियों की संख्या बढ़ने वाली थी इसी के मद्देनजर रोड के निर्माण में जो जमीनों का अधिग्रहण होना है जिसके चलते संबंधित गांवों में रजिस्ट्रियों पर ही रोक लगा दी थी। हालांकि बाद में उसे हटा लिया गया और सिर्फ उन सर्वे नम्बरों पर ही यह रोक है, जो कि रोड निर्माण के लिए ली जाना है। उससे भी रजिस्ट्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। वहीं पहले यह अनुमान था कि लोकसभा चुनाव के चलते संभव है कि गाइडलाइन में अभी 1 अप्रैल से बढ़ोतरी ना की जाए और फिर तीन माह बाद जुलाई से यह वृद्धि लागू हो। मगर सूत्रों का कहना है कि शासन का खजाना भी चूंकि खाली है और आबकारी के बाद पंजीयन विभाग से ही सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। दीपक कुमार शर्मा ने बताया की हालांकि अभी भी गाइडलाइन और वास्तविक बाजार मूल्य में 5 से लेकर 10 गुना तक अंतर भी है। पिछले दिनों कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक हुई। गाइडलाइन बढ़ाने की अनुशंसा की गई, जहां सर्वाधिक या अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां वर्तमान गाइडलाइन से हुई है। वहीं नई कॉलोनियां भी चारों दिशाओं में विकसित हो रही है। दो हजार से अधिक इंदौर जिले के ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर अब 1 अप्रैल से रजिस्ट्री करवाना महंगा पड़ेगा, क्योंकि 17 फीसदी तक स्टाम्प ड्यूटी बढ़ जाएगी।

वरिष्ठ जिला पंजीयक का राजस्व मिल चुका है और 1 लाख 58800 दस्तावेज पंजीबद्ध भी हो गए हैं। मुख्यालय से आए आदेश के मुताबिक सिर्फ होली के दिन ही अभी अवकाश रखा गया है और शेष सभी अवकाश के दिनों में भी रजिस्ट्रियां की जा रही है। साथ ही स्लॉटों की संख्या में भी वृद्धि कर दी गई है। दरअसल 31 मार्च तक 2540 करोड़ रुपए का लक्ष्य हासिल करना है, जिसमें अभी 430 करोड़ रुपए की कमी है। हालांकि मार्च के महीने में ही सबसे अधिक रजिस्ट्रियां होती हैं, क्योंकि 1 अप्रैल से बढ़ी हुई गाइडलाइन लागू हो जाती है। वर्तमान में 15 फीसदी गत वर्ष की तुलना में अधिक राजस्व मिला है, लेकिन लक्ष्य की पूर्ति के लिए अब यह 22 से 25 फीसदी तक हासिल कर लिया है बाकी का लक्ष्य भी जल्द ही हासिल करना होगा।

चार दशक से शुद्ध नहीं कर सके कान्ह और सरस्वती नदी को, अस्सी के दशक पहले शुरू हुए थे प्रयास

इंदौर। इंदौर में प्रवाहित होकर उज्जैन से पहले मोक्षदायिनी शिप्रा में मिलने वालीं कान्ह और सरस्वती नदियों को शुद्ध करने की कवायद चार दशक से ज्यादा पुरानी है। दोनों नदियों के शुद्धीकरण पर अलग-अलग हिस्सों में एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन नदियां पूरी तरह से शुद्ध नहीं हो पाईं। हालांकि यह जरूर है कि पहले के मुकाबले नदियों में गंदगी कम हुई है, लेकिन प्रयास अब भी अधूरे हैं। बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।लोकसभा चुनाव से पहले हर बार नदियों के शुद्धीकरण का मुद्दा जोर-शोर से उछलता है। राजनेता और पार्टियां वादे भी करती हैं लेकिन होता कुछ नहीं है। इस बार भी लोकसभा चुनाव से पहले सिर्फ इंदौर ही नहीं उज्जैन की जनता भी जानना चाहती है कि आखिर ये नदियां कब तक शुद्ध हो जाएंगी। कब हम कान्ह और सरस्वती नदियों में कलकल पानी बहता देख सकेंगे।इंदौर की कान्ह-सरस्वती नदियां उज्जैन के समीप शिप्रा नदी में जाकर मिलती हैं और शिप्रा चंबल में समाती है। चंबल यमुना नदी और यमुना आगे जाकर गंगा नदी में मिलती है। यही वजह है कि कान्ह और सरस्वती नदियों को नमामि गंगे मिशन में शामिल किया गया है। इंदौर से उज्जैन के रास्ते में इन दोनों नदियों में कई जगह उद्योगों की गंदगी मिलती है। वर्ष 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ का बड़ा धार्मिक आयोजन होना है। इसमें विश्वभर से करोड़ों श्रद्धालु शामिल होंगे और शिप्रा में स्नान करेंगे। यही वजह है कि वर्ष 2028 से पहले कान्ह और सरस्वती को पूरी तरह से शुद्ध करने की चुनौती है। केंद्र सरकार ने नमामि गंगे मिशन के तहत कान्ह और सरस्वती नदियों के शुद्धीकरण के लिए राज्य को 511 करोड़ रुपये की राशि आवंटित भी कर दी है। कान्ह और सरस्वती नदियों के शुद्धिकरण के प्रयास अस्सी के दशक में शुरू हुए थे। इंग्लैंड के राजा के इंदौर आगमन से पहले कान्ह नदी के दोनों तरफ पाइप लाइन बिछाई गई थी ताकि सीवेज को नदी में मिलने से रोका जा सके। इसके अलावा नदियों के किनारों को संवारने के लिए भी योजना बनाई गई थी। उसी समय वर्तमान शिवाजी मार्केट से नीचे नदी किनारे दुकानें भी बनाई गई थीं। नदी में नाव चलाने की सिर्फ योजना नहीं बनी बल्कि नदी में नाव चली भी थी। हालांकि वर्षाकाल में आसपास की बस्तियों में पानी भराने के बाद नदियों के शुद्धीकरण की पूरी योजना ही ठंडे बस्ते में चली गई। इसके बाद लंबे समय तक नदियों के शुद्धिकरण को लेकर कोई काम नहीं हुआ। तत्कालीन महापौर उमाशशि शर्मा के समय जेएनएनयूआरएम के तहत 250 करोड़ रुपये का रिवर साइड कारिडोर बनाए जाने की योजना भी बनी। इसी समय में नदियों को शुद्ध करने के लिए नाला टेपिंग की योजना पर 150 करोड़ रुपये खर्च कर नदियों के आसपास पाइप लाइन बिछाई गई थी। हालांकि यह योजना असफल ही रही। इसके बाद तत्कालीन महापौर मालिनी गौड़ के समय एक बार फिर तय हुआ कि नदियों को प्राकृतिक रूप से संवारा जाए। कुछ वर्ष पहले ही वाटर प्लस सर्टिफिकेट के लिए नाले के आउटफाल बंद करने की कवायद शुरू की गई। नदियों में मिलने से पहले सीवेज को साफ करने के लिए शहर में आठ एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) स्थापित किए गए। इससे कुछ हद तक राहत तो मिली लेकिन पूरा समाधान नहीं हुआ। लोकसभा चुनाव से पहले हर बार नदियों का शुद्धिकरण बड़ा मुद्दा बनकर सामने आता है, लेकिन चुनाव के परिणाम आते-आते यह मुद्दा हर बार ठंडे बस्ते में चला जाता है और इंदौरी ठगे रह जाते हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा था। नदियों के शुद्धिकरण के लिए नमामि गंगे मिशन के तहत आवंटित 511 करोड़ रुपये से तीन एसटीपी स्थापित किए जाना हैं।

सरवटे टू गंगवाल सड़क को अब निगम अलग से बनाएगा

जूनी इन्दौर से चंद्रभागा होते हुए मच्छी बाजार तक की सड़क के लिए 11 करोड़ की लागत

सरवटे टू गंगवाल सड़क का काम कई दिनों से पड़ा था आधा अधूरा

इंदौर। सरवटे टू गंगवाल सड़क का काम वर्षों बाद भी पूरा नहीं हो पाया और अब नगर निगम जूनी इन्दौर से चंद्रभागा होते हुए मच्छी बाजार तक अपने स्तर पर नई सड़क बनाने की तैयारी में है, जिसके लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है और यह सड़क 11 करोड़ रुपए से बनाई जाएगी। आने वाले दिनों में सभी प्रक्रियाएं पूरी कर इसका काम शुरू कराया जाएगा।

सरवटे टू गंगवाल सड़क छत्रीबाग दरगाह चौराहे से बियाबानी होते हुए गंगवाल तक पूरी तरह बन गई है, वहीं कड़ावघाट और मच्छी बाजार के भी कुछ इलाकों में इसका काम पूरा हो चुका है, लेकिन रावजी बाजार से लेकर चंद्रभागा, पंढरीनाथ, मच्छी बाजार तक काम आधा अधूरा ही पड़ा है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक अब इस मामले में जवाहर से ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए निगम अपने स्तर पर सड़क का निर्माण शुरू कराने की तैयारी में है और इसके लिए जूनी इन्दौर रावजी बाजार से लेकर चंद्रभागा, पंढरीनाथ, मच्छी बाजार तक सड़क का निर्माण कार्य 11 करोड़ की लागत से कराया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार हो रहे हैं और आने वाले दिनों में जल्द ही टेंडर भी जारी किए जाएंगे। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि उक्त सड़क के कार्य पूरे होने से यातायात सुचारू रूप से संचालित होगा और जवाहर मार्ग का लोड भी कम हो सकेगा।

इंदौर के पांच थानों के टीआइ बदले

इंदौर। डीसीपी (मुख्यालय) ने कल सोमवार को पांच निरीक्षकों (टीआइ) की नई पोस्टिंग की। दो को खाली थानों पर भेजा है। सोमला डकैत की जमानत के बाद बाणगंगा थाना से हटे टीआइ नीरज बिरथरे के स्थान पर मल्हारगंज थाने से लोकेशसिंह भदौरिया को भेजा गया है। उनके स्थान पर पुलिस लाइन से शिवकुमार रघुवंशी को भेजा गया है।इसी तरह सुजित श्रीवास्तव को खजराना, कौशल्या चौहान को महिला थाना, सतीश पटेल को संयोगितागंज थाना प्रभारी बनाया गया है। सदर बाजार थाना प्रभारी रह चुके पटेल को विधायक की नाराजगी के कारण हटाया गया था। संयोगितागंज थाना प्रभारी विजय तिवारी और महिला थाना प्रभारी प्रीति तिवारी, खजराना थाना प्रभारी उमरावसिंह रविवार को ही उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए हैं।

होटल विवाद केस- बेटे के बाद मां से हाथापाई

अस्पताल पहुंचकर धमकाया- पुलिस से शिकायत की तो ठीक नहीं होगा

इंदौर (नप्र)। लसूड़िया इलाके की सैफरॉन होटल में युवक को बंद कर मारपीट करने के मामले में नया विवाद सामने आया है। अरविंदो अस्पताल में उपचार करा रहे पीड़ित के परिजनों से होटल संचालक विवाद करने पहुंच गया। वह गंभीर घायल पीड़ित की मां से हाथापाई पर उतर आया। उन्हें फंसाने की धमकी देने लगा।

कहा कि मैं उपचार करा दूंगा, लेकिन पुलिस से शिकायत मत

करना। इधर, युवक के दोस्त और परिजनों ने इंदौर-2 के विधायक रमेश मेंदोला से मुलाकात की और उन्हें पूरी घटना के बारे में बताया। इस पर मेंदोला ने कार्रवाई करने के लिए पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। इसके बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

दरअसल, शुक्रवार रात पांच दोस्त बर्थडे पार्टी के लिए सैफरॉन होटल पहुंचे। यहां डांस करते समय दोस्त सुमित चौरसिया से होटल का कांच फूट गया। नाराज होटल मैनेजर और कर्मचारियों ने सुमित चौरसिया और कुणाल पटेल को पीट दिया। सब्बल,प्लास्टिक के पाईप,लकड़ी के डंडे और बेल्ट से बुरी तरह मारा। कमरे में बंद किया। झूठे केस में फंसाने की धमकी दी तो सुमित तीसरी मंजिल से कूद गया। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया। शुक्रवार रात में ही उसे अरबिंदो अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी लगते ही शुक्रवार रात होटल संचालक अनिरुद्ध चौकसे और एक युवती भी अरबिंदो अस्पताल पहुंचे और वहां मौजूद सुमित के दोस्तों व परिजनों को धमकाने लगे। मामला जैसे-तैसे शांत हुआ। सुमित के परिवार ने बताया कि अगले दिन शनिवार को अनिरुद्ध फिर अरबिंदो अस्पताल पहुंचा और परिवार-दोस्तों से विवाद करने लगा। वह परिजनों और दोस्तों पर केस करने की धमकी देने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि अनिरुद्ध ने सुमित की मां से हाथापाई करने की कोशिश भी की। अनिरुद्ध ने धमकी दी कि पुलिस से शिकायत की तो ठीक नहीं होगा। सुमित का इलाज मैं ही करा दूंगा।

मारपीट के सीसीटीवी भी आए सामने

कुणाल पटेल ने लसूड़िया पुलिस को अपनी शिकायत बताया था कि होटल कर्मचारियों ने पिस्टल के साथ बेस बाल के डंडे और बेल्ट से बुरी तरह मारपीट की। पुलिस ने सच्चाई जानने के लिये होटल के सीसीटीवी जब्त किये। उसमें आरोपी मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

इधर, हिंदूवादी संगठन से जुड़े लोगों ने भी बताया कि उक्त होटल रिटायर्ड पुलिस अफसर की है। जो अनिरूद्व ने किराये पर ले रखी है। इस होटल में पूर्व में लव जिहाद के मामले पकड़े जा चुके हैं। लेकिन यहां संचालक रिसेप्शनिस्ट युवती के नाम से झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी तक दे चुका है। इसकी शिकायत इंदौर जोन-2 के अफसरों के साथ लसूड़िया पुलिस से भी की जा चुकी है। लेकिन होटल को लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ये पांच आरोपी गिरफ्तार

लसूड़िया पुलिस ने सुमित चौरसिया और उसके दोस्त कुणाल पटेल के साथ मारपीट करने वाले पांचों आरोपी दीपक, जैकेश, शिवम, गगन ठाकुर और निखिल को शनिवार रात गिरफ्तार कर लिया है।

विवाद के बाद नाराज परिजन विधायक मेंदोला से मिले

लगातार दो दिन तक होटल संचालक के विवाद के बाद सुमित के परिजन इंदौर-2 के विधायक रमेश मेंदोला से मिले। मेंदोला ने पुलिस कमिश्नर को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा। सुमित के परिजनों ने बताया कि उन्होंने होटल में चल रही अवैध गतिविधियों की जानकारी भी मेंदोला को दी। कहा कि जब होटल कर्मचारी सुमित और कुणाल को पीट रहे थे तब होटल संचालक अनिरुद्ध भी वहीं था। लेकिन पुलिस ने उसका नाम एफआईआर से हटा दिया है और गंभीर धाराएं भी नहीं लगाई।

सशक्त नारी विकसित भारत कार्यक्रम के तहत सांसद लालवानी ने लखपति दीदियों को किया सम्मानित

- इंदौर जिले की 68 महिला समूहों की सदस्यों को 81 लाख रुपये से अधिक की मदद
- पीएम मोदी ने लखपति सदस्यों व नमो ड्रोन समूह की सदस्यों को किया वर्चुअली संबोधित

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सशक्त नारी विकसित भारत कार्यक्रम के तहत स्व सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण आजीविका मिशन समूह की सदस्य लखपति दीदियों व नमो ड्रोन समूह की प्रशिक्षित सदस्यों को वर्चुअली संबोधित किया। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने समूह सदस्यों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के साथ ही कृषि के क्षेत्र में नमो ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से भविष्य में होने वाले क्रांतिकारी परिवर्तनों के बारे में अवगत कराया।

इन्दौर जिले में मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभिन्न ग्रामों में गठित स्व सहायता समूह सदस्यों द्वारा संकुल स्तरीय संगठन स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम का 4 हजार से अधिक समूह सदस्यों द्वारा लाईव प्रसारण ग्राम स्तर पर देखा गया। जिला मुख्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में उपरोक्त कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी विशेष रूप से शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी की मंशानुरूप जिले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा गठित स्व सहायता समूह सदस्य जो विभिन्न आय अर्जक गविधियों में शामिल होकर लखपति दीदी की श्रेणी में आ रही है उनसे सांसद श्री शंकर लालवानी द्वारा चर्चा की गई। जिले के समस्त संकुल स्तरीय संगठनों में उपस्थित समूह सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा गया व संकुल स्तर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों की उपस्थितियों में समूह से जुडकर स्वयं के जीवन में आये परिवर्तनों से उपस्थित अतिथियों को अवगत करा कर अपने अनुभव साझा किये।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सिंगल क्लिक से कार्यक्रम के दौरान जिले के 68 समूहों को संकुल स्तरीय संगठनों के माध्यम से राशि 68 लाख रुपये का सामुदायिक निवेश निधि एवं 68 समूहों को राशि 13 लाख 68 हजार का चक्रिय निधि(आर. एफ.) जारी किया गया। साथ ही विभिन्न बैंकों के माध्यम से भी स्व सहायता समूहों को बैंक ऋण राशि का वितरण किया गया।

संपादकीय

एयरलाइंस ने हर दो यात्रियों में से एक का सामान क्षतिग्रस्त किया

पिछले 2 वर्षों में, भारत में 2 यात्रियों ने कम से कम एक बार बैग क्षतिग्रस्त होने का अनुभव किया है। इसी अवधि में भारत में हर 5 में से 2 यात्रियों के सामान में देरी हुई या कम से कम एक बार उनकी उड़ान छूट गई। इसके अलावा 4 यात्रियों, जिनका सामान एक एयरलाइन के कारण खो गया,विलंबित या क्षतिग्रस्त हो गया, का कहना है कि जब वे इसके बारे में एयरलाइन से शिकायत करने के लिए पहुंचे एयरलाइन की प्रतिक्रिया खराब थी और ग्राहक की स्थिति दयनीय थी।

2024 में लोकलसर्किल प्लेटफॉर्म पर आयोजित सर्वेक्षण में भारत के 303 जिलों में 41,000 से अधिक एयरलाइन यात्रियों से प्रतिक्रियाएं मांगी गईं। उनमें से 67 प्रतिशत पुरुष और 33 प्रतिशत महिलाएं थीं। भौगोलिक वितरण में 41 प्रतिशत प्रतिभागी टियर-1 क्षेत्रों से, 30 प्रतिशत टियर-2 क्षेत्रों से और 29 प्रतिशत टियर-4 और बाकी ग्रामीण क्षेत्रों से शामिल हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए, प्रतिभागियों को लोकलसर्किल से संबंधित सत्यापित नागरिक होना आवश्यक था।

हाल ही में, यात्रियों की लगातार शिकायतों के बाद, नियमों की देख-रेख करने वाले नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने 7 प्रमुख भारतीय एयरलाइनों को अपने कर्मचारी बढ़ाने के निर्देश जारी किए थे। इस निर्देश का उद्देश्य 26 फरवरी की समय सीमा से पहले हवाई अड्डों पर बैगेज हैंडलिंग की प्रक्रिया को अनुकूलित और सुधारना था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि अनुपालन में विफलता के

कारण अधिक नियामक उपाय करने पड़ सकते हैं। उत्तरदाताओं में से, 18 प्रतिशत ने कहा कि उन्होंने अपने लगेज के क्षतिग्रस्त होने का एक से अधिक बार अनुभव किया है, जबकि 24 प्रतिशत ने कहा कि उन्होंने इसे एक बार अनुभव किया है। कुल मिलाकर, 42 प्रतिशत ने कम से कम एक बार इसका अनुभव किया था। केवल 56 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें अपना सामान हमेशा समय पर मिलता है।

2022-में 26 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि उन्हें एक से अधिक बार क्षतिग्रस्त बैग का अनुभव हुआ, जबकि 24 प्रतिशत ने एक बार ऐसा किया था। 50 प्रतिशत ने इसे एक बार अनुभव किया था। केवल 48 प्रतिशत ने कहा कि उनका लगेज कभी भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। 2024 में एयरलाइनों की प्रतिक्रिया को उत्कृष्ट, अच्छा, एवं खराब और दयनीय बताया गया, 10 प्रतिशत ने इसे उत्कृष्ट दर्जा दिया, 27 प्रतिशत अच्छा, 31 प्रतिशत ने औसत और 12 प्रतिशत ने खराब कहा। 2022 में किए गए एक सर्वेक्षण में भी यही सवाल पूछा गया था। 2022 में, 50 प्रतिशत ने ग्राहक सेवा को खराब या दयनीय बताया था। इसलिए, पिछले 2 वर्षों में ग्राहक सेवा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसलिए, जबकि उन यात्रियों की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है जिनका सामान खो गया था या क्षतिग्रस्त हो गया था या एयरलाइंस द्वारा देरी हुई थी, पिछले कुछ वर्षों में संकट की प्रतिक्रिया में सुधार हुआ है।

सोशल मीडिया से...

हमारी सरकार किसानों की उपज का सही मूल्य दे रही है। आजमगढ़ गन्ना बेल्ट कहा जाता है, आपको याद है कि पहले की सरकारें कैसे गन्ना किसानों को तरसाते थे, रुलाते थे। यह भाजपा की सरकार है, जिसने गन्ना किसानों का हजारों करोड़ का बकाया भुगतान किया।
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा एक साथ 15 हवाई अड्डों के लोकार्पण और शिलान्यास ने भारतीय विमानन के क्षेत्र में आज के दिन को ऐतिहासिक बना दिया है। ग्वालियर के हवाई अड्डे को मात्र 16 महीने में तैयार कर लोकार्पण भी ऐतिहासिक उपलब्धि है।
ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री

चंद्रयान-4 अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। । कुलशेखरपट्टनम से 500 किलोग्राम तक के रॉकेट लॉन्च किए जा सकते हैं। इस तरह साफ है कि चंद्रयान-4 को लॉन्च करने की तारीख अभी तक फाइनल नहीं पाई है, मगर इस प्रोजेक्ट पर काम जोर-शोर से जारी है।
एस सोमनाथ, इसरो प्रमुख

बंगाल की नम्रता और धैर्य को इसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। यह धरती अपने अधिकारों के लिए हमेशा से लड़ती रही है। बंगाल के सुरक्षित भविष्य के लिए आप हमारे साथ आइए।
ममता बनर्जी, सीएम प. बंगाल

आज का कार्टून

विपक्ष का मुकाबला ऐसे संगठन से जो काम करने की ताकत रखता है

हमें लोगों को विश्वास दिलाने की जरूरत है कि राजग की सरकार ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाएगी। तो इसमें बुराई क्या है? प्रधानमंत्री देश के साथ अपनी पार्टी के नेता हैं और चुनाव में विजय की दृष्टि से उन्हें हर तरह का मार्गनिर्देश भी देना है। इसलिए स्वाभाविक ही उन्होंने आगाह भी किया कि विपक्ष किसी तरह के विवादास्पद बयान सामने आने की उम्मीद करता है जिसे वह मुद्दा बना सके और हमें ऐसा अवसर नहीं देना है, सोच समझ कर बोलें। यह सच है कि चुनाव में किसी भी पक्ष की ओर से निकल गए ऐसे एक शब्द को भी तिल और तार बनाकर पेश करती है। अगर प्रधानमंत्री इसके लिए आगे कुछ कर रहे हैं तथा अपनी भावी योजनाओं तथा भारत के लक्ष्य आदि को लेकर जनता के सामने लाकर उससे बात करने की सलाह दे रहे हैं तो इसमें गलत कुछ भी नहीं है। वैसे बैठक के एजैंडा को देखें तो यह किसी भी दृष्टि से चुनावी तैयारी तक सीमित नहीं थी।

अवधेश कुमार

आम चुनाव की घोषणा के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद की यह अंतिम बैठक थी। स्वाभाविक तौर पर अंतिम बैठक में कुछ तात्कालिक फैसले होते हैं। सामने लोकसभा चुनाव हो तो उसकी चर्चा बिल्कुल स्वाभाविक है। किंतु इस बैठक का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें ऐसा लगा ही नहीं कि कोई सरकार अपने मंत्रिपरिषद की अंतिम बैठक कर रही है। इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में माहौल ऐसा था कि हमें ही आगे भी सरकार चलानी है, इसलिए भविष्य के कार्यों की रूप-रेखाएं, योजनाएं तथा लंबे लक्ष्यों से फोकस नहीं हटना चाहिए।

वास्तव में इस बैठक में न केवल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विजन इंडिया डाक्यूमैंट या 2047 तक विकसित भारत का दृष्टि पत्र पेश किया गया बल्कि नई सरकार के अगले 5 साल की कार्य योजना के साथ अगली सरकार बनने के बाद के पहले 100 दिनों में क्या करना है इसकी भी रूप-रेखा सामने लाई गई। पांच मंत्रालयों के सचिवों ने इसमें अपना प्रैजेंटेशन देकर बताया कि अब तक कौन सी योजनाएं लागू की गई हैं ,या जो लागू होने वाली हैं उनका स्टेटस क्या है? सच कहा जाए तो इस बैठक के द्वारा प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने यही संदेश दिया कि चुनाव आते-जाते रहेंगे, सरकार चुनाव परिणामों की प्रतीक्षा में नहीं बैठती, वह दूरगामी योजनाओं से हर क्षण देश के लिए काम करती रहती है। प्रधानमंत्री ने कहा भी कि पहले 100 दिन हनीमून पीरियड नहीं होता बल्कि ठोस कार्य करने का समय होता है। लगभग 8 घंटे तक मंत्रिमंडल परिषद की बैठक चलने का भी अपने आप में रिकॉर्ड ही होगा। मंत्रिपरिषद की इस तरह की बैठक का अतीत में भी कोई रिकॉर्ड शायद ही उपलब्ध हो। यह बैठक भी अचानक आयोजित नहीं हुई थी। जितनी जानकारी है उसके अनुसार 2 वर्ष से इसकी तैयारी चल रही थी। जो 2047 का दृष्टिपत्र पेश किया गया उनको दिसंबर 2021 से जनवरी 2024 तक सभी मंत्रालयों, राज्य सरकारों , शिक्षाविदों, उद्योग निकायों, नागरिक समाज, वैज्ञानिक संगठनों आदि के साथ अलग-अलग माध्यमों और अवसरों से परामर्श के बाद तैयार किया गया है। इसके लिए लगभग 2700 से अधिक बैठकें, कार्यशालाएं और सैमीनार आयोजित हुए।

जैसा बताया गया 20 लाख से अधिक युवाओं का सुझाव भी इसमें शामिल किया गया। विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की जितनी आलोचना करे पर यह स्वीकार करना पड़ेगा कि इतना व्यापक और ऐसी सोच, समझ, सक्षमता तथा परिश्रम साध्य प्रयास दूसरी ओर अभी तक दिखाई नहीं पड़ता है। आलोचकों का मानना है कि जानबूझकर चुनाव के पूर्व सरकार होने का लाभ उठाया जा रहा है, यह भी चुनाव प्रचार का एक हिस्सा है। यानी यह मतदाताओं को बताना चाहते हैं कि हम बैठते नहीं, हमें तो केवल देश की चिंता है, हम अगली सरकार की कार्ययोजना भी तैयार कर बैठे हैं और आगे 2047 यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष बाद की भी। इस बात को स्वीकार कर लिया जाए कि यह प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की चुनावी रणनीति का अंग था तब भी क्या ऐसे प्रयासों से असहमति व्यक्त की जा सकती है? चुनाव की दृष्टि से देखें तो प्रधानमंत्री ने कहा भी कि हमें सरकार के

गठन के बाद कार्यों को लोगों के बीच ले जाना चाहिए। मंत्रियों को 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य और इससे होने वाले लाभ के प्रति लोगों को अवगत कराना चाहिए। ध्यान रखिए कि प्रधानमंत्री ने इस बैठक में कहा कि चूंकि विपक्ष मुद्दाविहीन है, इसलिए हमारे सामने लोगों को यह जाकर बताने का अवसर है कि 10 साल के कार्यकाल में वंचित,पिछड़े और आकांक्षी वर्ग के सशक्तिकरण के लिए सरकार ने क्या किया है।

हमें लोगों को विश्वास दिलाने की जरूरत है कि राजग की सरकार ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाएगी। तो इसमें बुराई क्या है? प्रधानमंत्री देश के साथ अपनी पार्टी के नेता हैं और चुनाव में विजय की दृष्टि से उन्हें हर तरह का मार्गनिर्देश भी देना है। इसलिए स्वाभाविक ही उन्होंने आगाह भी किया कि विपक्ष किसी तरह के विवादास्पद बयान सामने आने की उम्मीद करता है जिसे वह मुद्दा बना सके और हमें ऐसा अवसर नहीं देना है, सोच समझ कर बोलें। यह सच है कि चुनाव में किसी भी पक्ष की ओर से निकल गए ऐसे एक शब्द को भी तिल और तार बनाकर पेश करती है।

अगर प्रधानमंत्री इसके लिए आगे कुछ कर रहे हैं तथा अपनी भावी योजनाओं तथा भारत के लक्ष्य आदि को लेकर जनता के सामने लाकर उससे बात करने की सलाह दे रहे हैं तो इसमें गलत कुछ भी नहीं है। वैसे बैठक के एजैंडा को देखें तो यह किसी भी दृष्टि से चुनावी तैयारी तक सीमित नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों, अफसरों सहित सभी से संबंधित मंत्रालयों के रिकॉर्ड को देखने के लिए कहा ताकि पता चल सके कि भूतकाल में निर्णय कैसे विकसित हुए और पिछले 25 वर्षों में देश के विचार कैसे बदले हैं।

उनके निर्देश में यह स्पष्ट है कि सरकार का हर विभाग विकसित भारत सैमीनार में जो एजैंडे तय हुए, उसके अनुरूप विचार और कार्य योजनाएं बनाता रहेगा। यानी चुनाव परिणाम की प्रतीक्षा में तैयारी रुकेगी नहीं, सारी योजनाएं अगली सरकार आने के पूर्व तक तैयार हो जाएंगी। इस तरह कार्यों में निरंतरता का संदेश और व्यवहार है। अगर आप इस विजन को देखें तो भारत को विश्व का नेतृत्वकर्ता बनने का भाव इसमें स्पष्ट परिलक्षित होता है। यह दृष्टिकोण पत्र नागरिकों को सशक्त और टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनने पर आधारित है। इसमें ऐसे भारत की परिकल्पना है जो प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में दुनिया को नेतृत्व प्रदान करेगा। प्रश्न है कि विपक्ष इस तरह का विजन या दृष्टिकोण क्यों नहीं प्रस्तुत करता? विपक्षी इसे चुनावी प्रचार का तरीका बताएं पर आम मतदाता यह भी पूछेंगे कि इस तरह के चुनावी प्रचार के समानांतर आपके पास हमें बताने के लिए क्या है? क्या ऐसा कोई विजन या दृष्टिपत्र भारत के लिए आपके पास है? सच यह है कि विरोधियों में ऐसे नेताओं का अभाव है जो गहराई से भारत और विश्व की स्थिति का अध्ययन करते हुए अपना व्यापक विजन बनाकर देश के समक्ष रखते हैं।

विपक्ष को पता है कि उनका मुकाबला एक ऐसे संगठन परिवार से है जो जिसके पीछे 100 वर्षों के विचारधारा के आधार पर काम करने की ताकत है, जो देश से लेकर दुनिया के अनेक देशों में फैला है, जिसके पास अलग-अलग तरह के व्यक्तिगत और समस्थानिक थिंक टैंक हैं तथा जिसका राजनीतिक नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्ति के हाथों हैं, जिनका दृष्टिकोण लंबे कार्यों से विकसित हुआ है और बहुत कुछ वे देश के सामने रखते रहते हैं।

बावजूद अगर विपक्ष इसके प्रत्युत्तर की तैयारी नहीं करता तो इसमें दोष भाजपा या नरेंद्र मोदी का नहीं है। जब लगातार वह अगली सरकार में भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था तथा 2047 तक विकसित भारत की बात कर रहे हैं , उन पर अलग-अलग वैबसाइटों पर सुझाव मांगे जा रहे हैं, सैमीनार हो रहे हैं, कार्यशालाएं आयोजित हो रही हैं तो विपक्ष को समझना चाहिए कि निश्चित रूप से चुनाव के पहले वे इसे किसी तरह के दस्तावेज में अवश्य प्रस्तुत करेंगे। आम अनुभव यही बताता है कि देश के आम लोग इस तरह की चुनावी राजनीति का ही समर्थन करेंगे जिसमें उनके और देश के लिए इतना व्यापक दृष्टिकोण तथा कार्ययोजना के साथ उसे पूरा करने के विश्वास दिलाने का भाव भी हो। भारतीय राजनीति को अगर विचारों की पटरी पर लाना है तो चाहे उस विचार के कुछ बिंदुओं से हमारी आपकी असहमति हो, ऐसे प्रयासों को भविष्य की राजनीति के लिए शुभ संकेत माना जाना चाहिए।

हृदय और मस्तिष्क मानव चेतना के अभिन्न अंग

मनुष्य के रूप में निर्णय लेते समय हृदय और तर्क, दोनों से परस्पर जूझना स्वाभाविक है। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि हम इसके आसपास प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकते। एक स्वस्थ जीवनशैली, जिसमें व्यायाम वाली दिनचर्या, संतुलित भोजन और नियमित गहरी नींद शामिल है, मानसिक-भावनात्मक स्वास्थ्य संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होती है। हमें अपने विचारों और कार्यों को प्रभावित करने वाली भावनाओं को समझ कर भावनात्मक बुद्धिमत्ता को उन्नत करना चाहिए।

प्रत्यूष शर्मा

जीवन में चुनौतियां और सही निर्णय दोनों जरूरी हैं। ये हमें इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हमें अपनी भावनाओं की सुननी चाहिए या तार्किक विश्लेषण पर टिके रहना चाहिए। इसे दिल बनाम दिमाग के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इनका यह आंतरिक संघर्ष लगभग सभी व्यक्तियों को उनकी पूरी जीवन यात्रा के दौरान महसूस होता है। इसके कई उदाहरण हो सकते हैं।मसलन, एक स्थिर नौकरी बनाम एक अप्रत्याशित व्यावसायिक उद्यम। एक आरामदायक रिश्ते को निभाना बनाम अनिश्चितता से भरे रिश्ते का पीछा करना। मिठाइयों का सेवन बनाम पौष्टिक भोजन का विकल्प आदि। हृदय और मस्तिष्क मानव चेतना के अभिन्न अंग हैं। ये घटक केवल शारीरिक अंग नहीं हैं, बल्कि मानवीय विचार प्रक्रियाओं और निर्णय लेने की क्षमताओं के विभिन्न पहलुओं का प्रतीक भी हैं।

सामान्यतया, प्रेम, जुनून, सहानुभूति और अंतर्ज्ञान जैसी भावनात्मक इच्छाएं किसी के दिल से उत्पन्न होती हैं। ये सब ऐसे मूल्य हैं जो हमारे भीतर गहरी जड़ें जमा लेते हैं और हमारी जीवन यात्रा के दौरान अनुभव के माध्यम से अवचेतन रूप से हमारा मार्गदर्शन करते हैं। जब

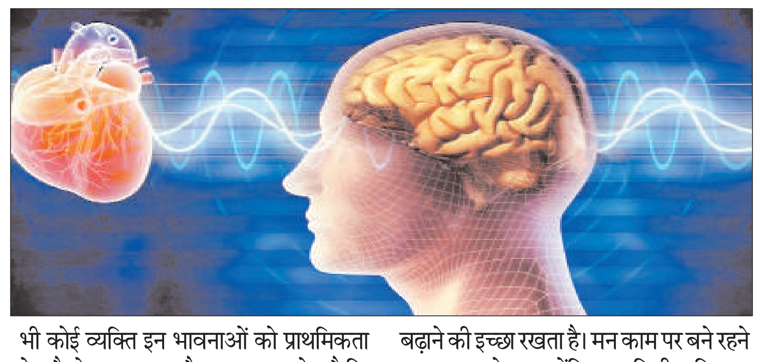

भी कोई व्यक्ति इन भावनाओं को प्राथमिकता देता है तो इसका आमतौर पर मतलब होता है कि वह 'अपने दिल की सुन रहा है'। वहीं निर्णय लेने की प्रक्रिया में किसी व्यक्ति द्वारा अपने मस्तिष्क का उपयोग करना या तार्किक सोच के आधार पर निर्णय लेना शामिल है। यहां मस्तिष्क आखिर जीवन विकल्पों के संबंध में भावनात्मक मूल्यों के बजाय व्यावहारिक विचारों पर निर्भर करता है।जब दिल बनाम दिमाग के मामले की बात आती है, तो एक जटिल अंतर्संबंध मौजूद होता है, जो वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में चलता है और तदनुसार हमारे निर्णयों को आकार देता है। उदाहरण के तौर पर ऐसी स्थिति की कल्पना की जा सकती है, जहां किसी के पास सुरक्षित उच्च-भुगतान वाली नौकरी है, फिर भी वह अपने जुनून के अनुरूप उद्यमशील बनकर उद्यम को आगे बढ़ाने की इच्छा रखता है। मन काम पर बने रहने का सुझाव देगा, क्योंकि यह वित्तीय स्थिरता प्रदान करता है और नए सिरे से शुरुआत करने के साथ आने वाली अनिश्चितताओं का सामना करता है, जबकि महत्त्वाकांक्षाएं उसके दिल में उत्साह जगाती हैं।एक ऐसी स्थिति कितनी जटिल होगी, जिसमें यह सवाल हमें द्वंद्व में डाल दे कि हम भावनात्मक रूप से क्या महसूस करते हैं और तार्किक रूप से हमें क्या करना चाहिए। ऐसी कठिनाई हमारे जीवन पथ को महत्त्वपूर्ण रूप से आकार दे सकती है।आनंद, उत्साह और प्रेम जैसी सकारात्मक भावनाएं हमें कुछ ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं जो हमारे द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करते हैं।हालांकि सभी भावनाएं सकारात्मक नहीं हैं। भय, क्रोध या उदासी जैसी नकारात्मक बातें हमें जड़ बना दे सकती हैं या अवांछित दिशाओं में धकेल सकती हैं। भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला हृदय एक सहज मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है जो लोगों को उनके अपने मूल्यों के साथ संरेखित करते हुए जुनून की ओर ले जाता है। हालांकि एक तर्कसंगत विचार प्रक्रिया होने से लोगों को उन आंतरिक भावनाओं को संतुलित करने में मदद मिलती है।

मनुष्य के रूप में निर्णय लेते समय हृदय और तर्क, दोनों से परस्पर जूझना स्वाभाविक है। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि हम इसके आसपास प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकते। एक स्वस्थ जीवनशैली, जिसमें व्यायाम वाली दिनचर्या, संतुलित भोजन और नियमित गहरी नींद शामिल है, मानसिक-भावनात्मक स्वास्थ्य संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होती है। हमें अपने विचारों और कार्यों को प्रभावित करने वाली भावनाओं को समझ कर भावनात्मक बुद्धिमत्ता को उन्नत करना चाहिए।

किसी भी विचार पर अंतिम निर्णय लेने से पहले अपनी भावनाओं की वैधता और संभावित परिणामों का विचारशील मूल्यांकन करने का प्रयास करना चाहिए और संतुलित निर्णय लेना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हम जो निर्णय लेते हैं, उसका श्रेय दिल और दिमाग दोनों को मिले। एक ऐसा निर्णय लेने की दिशा में काम करना चाहिए, जहां हम जो चुनते हैं, वह हमारी भावनाओं के अनुरूप तो हो, लेकिन साथ ही तर्क का भी अनुपालन करता हो।आंतरिक संघर्ष पर काबू पाने के लिए अपने मूल मूल्यों को पहचानना महत्त्वपूर्ण है। इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखता है, हम किसके लिए खड़े हैं और क्या चीज हमें वास्तविक संतुष्टि प्रदान करती है। अपने निर्णयों को अपने मूल्यों के साथ जोड़कर हम अपने मस्तिष्क और हृदय के बीच सामंजस्य बना सकते हैं। जो निर्णय दोनों पहलुओं को संतुष्ट करता है, उससे दीर्घकालिक खुशी और संतुष्टि मिलने की संभावना अधिक होती है।जब आंतरिक संघर्षों को सुलझाने की बात आती है तो हर कोई स्व-सहायता तकनीकों से लाभ उठा सकता है, लेकिन अगर मुद्दे बहुत जटिल हो जाते हैं तो पेशेवर मार्गदर्शन प्राप्त करना कभी-कभी आवश्यक हो सकता है। सार्थक बातचीत से हमें विभिन्न दृष्टिकोणों से बात को समझने में मदद मिलती है, जो असली स्थिति के बारे में हमारी समझ को व्यापक बना देती है। विश्वसनीय मार्गदर्शन, मस्तिष्क और हृदय के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करता है, जिससे हमें एक संतुलित और सही दृष्टिकोण रखने में मदद मिल सकती है। तर्क के साथ भावनाओं को संतुलित करना व्यक्तिगत विकास, करिअर में प्रगति और समग्र कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे कंपनी को मिला 543 करोड़ के मेट्रो का काम

शेयरों की मची लूट, 8 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते एक साल के दौरान अगर आपको रेलवे सेक्टर में बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों की लिस्ट बनानी हो तो उसमें एक रेल विकास निगम का भी रहेगा। कंपनी ने अपने बेहतर प्रदर्शन के जरिए निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। 9 मार्च यानी शनिवार को कंपनी ने बताया है कि उन्हें मध्य प्रदेश मेट्रो रेल

कॉरपोरेशन से 543 करोड़ रुपये काम मिला है। जिसका असर आज कंपनी के शेयरों में देखने को मिला। रेल विकास निगम का शेयर बीएसई में 5,48 प्रतिशत की तेजी के साथ 251.05 रुपये के लेवल पर पहुंचकर ओपन हुआ। कंपनी का इंट्रा–डे हाई 257.55 रुपये है। जोकि गुरुवार की क्लोजिंग की तुलना में 8.21 प्रतिशत अधिक है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 345.60 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, 52 वीक लो लेवल 60.30 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 52,156.78 करोड़ रुपये का है।

क्या है वर्क ऑर्डर का डीटेल्स

रेल विकास निगम ने शेयर बाजारों को बताया है कि मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने एलिवेटेड विद्युत के पार्ट्स को डिजाइन और कंस्ट्रक्शन के लिए कहा है। यह काम कंपनी को इंदौर रेल प्रोजेक्ट के लिए करना है। कंपनी को यह काम 1092 दिनों में पूरा करना है। इस खबर के बाद कंपनी के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। पिछले एक महीने के दौरान रेल विकास निगम का यह शेयर 10.7 प्रतिशत टूटा चुका है। मुनाफावसूली का शिकार हुआ यह शेयर आज अच्छी खबर लेकर आया। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 63.1 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 283.70 प्रतिशत का लाभ मिला है।

कंपनी को महाराष्ट्र से मिला 1540 करोड़ का सोलर प्रोजेक्ट

शेयरों पर टूट पड़े निवेशक, 12 प्रतिशत उछला भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉवर सेक्टर की दिग्गज कंपनी टॉरेंट पॉवर के शेयरों में आज 12.66 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिकसिटी डिस्ट्रब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड की तरफ से 7 मार्च को काम मिला है। इस खबर के आने के बाद के शेयरों का भाव बीएसई में 1288.45 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गया। यह कंपनी का आल टाइम हाई है। टॉरेंट पॉवर की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि 306 मेगावाट के ग्रिड कनेक्टेड सोलर पॉवर प्रोजेक्ट लगाना है। इस वर्क ऑर्डर की कीमत 1540 करोड़ रुपये की है। कंपनी को नासिक जिले में यह काम करना है।

विदेशी निवेशकों ने 5 साल में शेयर बाजार से निकाले 3.5 लाख करोड़, घरेलू निवेशकों ने किया जमकर निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर मार्केट में विदेशी निवेशक जितने पैसे लगाते हैं, उससे ज्यादा निकाल लेते हैं। फिर भी बाजार में रौनक है। वजह हैं घरेलू निवेशक। 2023 में विदेशी निवेशकों ने रोज औसतन 45 करोड़ रुपए निकाले लेकिन घरेलू निवेशकों ने करीब नौ गुना ज्यादा (397 करोड़) पैसे डाले। 2018 में विदेशी निवेशक रोज औसतन 201 करोड़ रुपए निकाल रहे थे और हम 300 करोड़ रुपए निवेश रहे थे। पांच सालों में विदेशी निवेशकों ने कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाले और इसी दौरान घरेलू निवेशकों ने 6.7 लाख करोड़ रुपए निवेश किए। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 23 में 15.96 फीसदी तक बढ़ गई, जो दिसंबर 18 में 13.77 फीसदी थी। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 19.66 फीसदी से घटकर 18.19 फीसदी पर आ गई।

एफपीआई ने मार्च में शेयर बाजार में किया निवेश

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (मार्च में) अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपए डाले हैं। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपए डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

Bitcoin above $70,000 as demand frenzy intensifies, hits new record high

Bitcoin hit a record high on Monday above $lv,®®®, as the surge in the biggest cryptocurrency showed no signs of slowing down. Britain's financial watchdog on Monday became the latest regulator to pave the way for digital asset trading products after saying on Monday it will now permit recognised investment e&changes to launch crypto-backed e&change-traded notes Bitcoin rose by as much as y.}% to a record $lv,{ll in European trading, bringing gains for the year so far to l®%.

The world's most valuable cryptocurrency has been boosted by a flood of cash into new spot bitcoin e&change-traded funds as well as hopes that the Federal Reserve will soon cut interest rates. Flows of capital into the v® largest U.S. spot bitcoin e&change-traded funds slowed to a two-week low in the week to March }, but still reached almost $w billion, according to LSEG data. "Bitcoin has started the week with a surge, dragging the rest of the cryptocurrency space higher with it," DailyFX strategist Nick Cawley said. Supply of bitcoin, which is limited to wv million tokens, is going to get tighter in April, when the so-called halving event takes place.

Every four years, the rate at which new supply is released into circulation, as well as the reward for crypto miners, is halved, which tends to support the price. "News also out earlier that the LSE plans to accept applications for bitcoin and ethereum ETNs in Qw may have also helped todayâ ™s push higher," Cawley said.

The UK regulator said these products would be only available for professional investors such as investment firms and credit institutions authorised to operate in financial markets, the Financial Conduct Authority (FCA) said in a statement. The FCA warned crypto e&change traded notes (ETNs) - bonds issued by financial institutions that track the performance of underlying assets - pose harm to retail investors.

Nonetheless, demand is picking up across the investment community.

300 रुपये तक जा सकते हैं महार प्रतिशत कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। महार प्रतिशत कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग सरकारी कंपनी भेल के शेयरों पर बुलिश है। भेल की मजबूत ऑर्डर बुक को देखते हुए ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयर खरीदने की सलाह दी है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने भेल के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 299 रुपये कर दिया है। भेल के शेयर सोमवार 11 मार्च 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 259.05 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

शुरुआती 9 महीनों में 36000 करोड़ रुपये के ऑर्डर

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने बताया है कि उसे मौजूदा वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीने में 36000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। सालाना आधार पर ऑर्डर इनफ्लो में 102 पर्सेंट का उछाल आया है। भेल को चौथी तिमाही में पहले ही 3 बड़े ऑर्डर मिल चुके हैं। कंपनी को 3 800 मेगावॉट एनएलसी तालाबीरा थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में मेगावॉट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल एक्सपैंशन यूनिट और 2 800 मेगावॉट एनटीपीसी सिंगरौली सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज-3 के ऑर्डर मिले हैं। इन ऑर्डर की वैल्यू 30000 करोड़ रुपये है।

एक साल में 247 प्रतिशत चढ़ गए कंपनी के शेयर

सरकारी कंपनी भेल के शेयरों में पिछले एक साल में तूफानी तेजी आई है। भेल के शेयर पिछले एक साल में 247 प्रतिशत चढ़ गए हैं। भेल के शेयर 13 मार्च 2023 को 74.23 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 11 मार्च 2024 को 259.05 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 85 पर्सेंट का उछाल आया है। इस अवधि के दौरान कंपनी के शेयर 139.85 रुपये से बढ़कर 259.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 271.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 67.63 रुपये है।

सीएम राइज स्कूलों में 16 मार्च से शुरू होंगे प्रवेश प्रारंभ

इंदौर। प्रदेश के हाईटेक सरकारी स्कूलों में शामिल सीएम राइस स्कूल में 16 मार्च से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। वहीं 28 मार्च तक प्रवेश सूची जारी करना होगी और एक अप्रैल से नया शिक्षा सत्र शुरू हो जाएगा। बता दें कि इंदौर जिले में 11 सीएम राइज स्कूल है, जिसमें से अधिकांश में नया भवन अब तक नहीं बन पाया है।लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सात मार्च को सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश का लेकर निर्देश और गाइडलाइन जारी की गई थी। जिसके बाद से जिले के सभी 11 सीएम राइज स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया और रिक्त सीटों का आकलन शुरू हो गया है। प्रवेश को लेकर जारी गाइडलाइन के अनुसार, 15 मार्च तक स्कूल प्रबंधन को कक्षा और माध्यम वार रिक्त सीटों की संख्या में सीएम राइज विमर्श पोर्टल पर अपलोड करना होगी। 16 मार्च को स्कूल की प्रारंभिक कक्षा या फिर केजी-वन में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करना होगा। स्कूल से ही प्रवेश को लेकर आवेदन जारी होना शुरू हो जाएंगे। 23 मार्च तक फार्म जमा होंगे। इसके बाद 28 मार्च को जिन्हें प्रवेश दिया गया है, उनकी सूची जारी की जाएगी। एक अप्रैल से नया शिक्षा सत्र शुरू हो जाएगा। वहीं छह अप्रैल तक अभिभावकों को प्रवेश से संबंधित दस्तावेज जमा करना होगा। सीएम राइज मल्हाराश्रम प्राचार्य देवेंद्र रामिश ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया की तैयारी शुरू कर दी गई है। गाइडलाइन के अनुसार ही प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इसके साथ अन्य कक्षाओं में रिक्त सीटों को लेकर भी आवेदन लिए जाएंगे। इस बार मल्हाराश्रम में छात्र संख्या में भी बढ़ोतरी की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को लेकर जिले के सभी सीएम राइज स्कूलों को निर्देश जारी कर दिए गए है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग 2021 के नि:शुल्क मॉक इंटरव्यू 19 मार्च से

इंदौर। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में 19 मार्च 2024 से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग 2021 के मॉक इंटरव्यू की निःशुल्क कक्षाएं दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र एबी रोड भंवरकुआं में आवेदन जमा कर सकते हैं।

ब्रिटेन के लौट रहे अच्छे दिन, ब्रिटिश पाउंड ने 92 प्रतिशत ग्लोबल करेंसी को पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटने लगी है। ब्रिटिश पाउंड इस साल दुनिया की 90 प्रतिशत से अधिक करेंसी को पीछे छोड़ रहा है। दरअसल ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर स्थिति में है, ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी हुई हैं। यह रैली तब भी आई है, जब बाजार ने पिछले सप्ताह यूके बजट घोषणा को लेकर अनिश्चितता को पीछे छोड़ दिया है।

विश्लेषकों के अनुसार ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था आशंका से अधिक लचीली दिख रही है। ब्रिटेन ब्याज दरों को अपने मौजूदा स्तर पर लंबे समय तक बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है। जबकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व और ईसीबी जून में कटौती करते नजर आ रहे हैं।

ट्रेडर्स को उम्मीद है कि बैंक ऑफ इंग्लैंड अगस्त में नरमी शुरू करेगा।

बैंक ऑफ अमेरिका में जी-10 मुद्रा रणनीति के प्रमुख अथानासियोस वामवाकिडिस ने कहा, ÷पिछले साल यूके में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे खराब ग्रोथ-इनफ्लेशन मिक्स था। अब, अर्थव्यवस्था में सुधार होता दिख रहा है, जबकि मुद्रास्फीति कम हो रही है। साल के अंत तक पाउंड को 1.37 डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद करते हैं।

भारत में 15 साल में 100 अरब डॉलर निवेश करेंगे चार यूरोपीय देश

10 लाख रोजगार की बनेंगी संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। चार यूरोपीय देशों का समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) भारत में अगले 15 साल में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके लिए भारत और ईएफटीए ने रविवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते से निवेश के साथ वस्तुओं व सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, देश में 10 लाख रोजगार भी पैदा होंगे।

भारत-ईएफटीए में आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर 16 वर्षों के बाद सहमति बनी है। इसकी शुरुआत जनवरी, 2008 में हुई थी। समझौते में बौद्धिक संपदा अधिकार, माल-सेवा व्यापार, निवेश प्रोत्साहन, सरकारी खरीद समेत 14 अध्याय शामिल हैं। एफटीए इतिहास में पहली बार लक्ष्य आधारित निवेश व रोजगार बढ़ाने देने के लिए कानूनी प्रतिबद्धता जताई जा रही है। समझौते को मंजूरी की विस्तृत प्रक्रिया के कारण इसे लागू होने में एक साल का समय लगेगा। ईएफटीए के सदस्य देशों में नॉर्वे, आइसलैंड, लीशटेंस्टीन और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

भारत को लाभ

सभी घरेलू औद्योगिक उत्पादों को ईएफटीए देशों

में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर भी शुल्क छूट। अधिक निवेश मिलेगा।

टीईपीए भारतीय निर्यातकों के लिए अनुकूल व्यापार माहौल बनाएगा। देसी वस्तुओं का निर्यात बढ़ेगा। सेवा क्षेत्र को भी अधिक बाजार मिलेंगे।

स्विट्जरलैंड के जरिये यूरोपीय संघ के बाजारों पहुंच बढ़ेगी। इन्फ्रा, विनिर्माण, मशीनरी, फार्मा जैसे क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण बढ़ेगा।

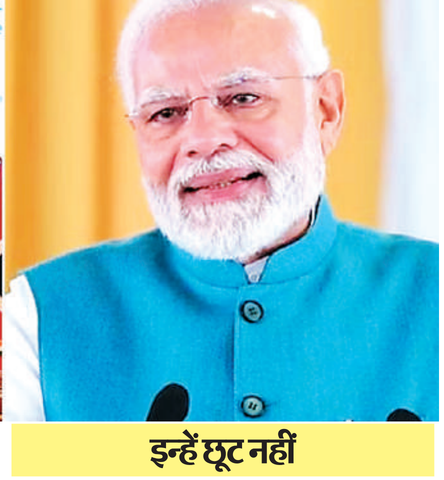

इन्हें छूट नहीं

डेयरी, कोयला, सोया और संवेदनशील कृषि उत्पाद शुल्क छूट के दायरे से बाहर रहेंगे। समझौता साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक, खुलेंगे नए दरवाजे समझौता मुक्त, निष्पक्ष व समानता वाले कारोबार के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डिजिटल व्यापार, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं व फार्मा जैसे क्षेत्रों में नवाचार को लेकर ईएफटीए देशों की वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थिति से सहयोग के नए दरवाजे खुलेंगे।

वृद्धि के लिए प्रमुख बाजार पर मिलेगी पहुंच : ईएफटीए सदस्य

ईएफटीए सदस्यों की ओर से संघीय काउंसलर गाई पार्मेलिन ने कहा, ईएफटीए देशों को वृद्धि के एक प्रमुख बाजार तक पहुंच मिली है। हमारी कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक जुझारू बनाते हुए उनमें विविधता लाने का प्रयास करेंगी। कुल मिलाकर टीईपीए से हमें अपनी आर्थिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने के साथ भारत और ईएफटीए दोनों के लिए अतिरिक्त अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।

निवेश को मिलेगा बढ़ावा: उद्योग जगत

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर दिनेश ने कहा, 100 अरब डॉलर के निवेश के लिए ईएफटीए सदस्यों की प्रतिबद्धता से इंजीनियरिंग, दवा, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान और अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। तिरुपुर निर्यातक संघ के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा, आपसी व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी सरकार ने चुनाव के पहले इस सरकारी बैंक पर लिया ऐसा फैसला कि शेयर के उछल गए भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक सभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने ब्रजेश कुमार सिंह को सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। इस खबर के बाद इंडियन बैंक के शेयर चढ़ रहे हैं। बैंक निफ्टी कमजोर होने के बावजूद इस सरकारी बैंक के शेयर शुरुआती कारोबार में 1.57 फीसद ऊपर 554 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। आज 551.65 रुपये पर खुलने के बाद इंडियन बैंक के शेयर 562.85 रुपये तक पहुंच गए। इसका 52 हफ्ते का हाई 573.75 रुपये है। पिछले छह महीने में इंडियन बैंक करीब 40 फीसद उछल चुका है। जबकि, इस साल अबतक इसने 31 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इसने अपने निवेशकों के पैसे को करीब-करीब दोगुना कर दिया है। इस अवधि में इसने 96 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। देसी-विदेशी संस्थागत निवेशक फिदा- इंडियन बैंक में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी सितंबर तिमाही के 79.86 पर्सेंट की तुलना में घटकर 73.84 पर्सेंट रह गई है। हालांकि, विदेश संस्थागत निवेशक इस बैंकिंग स्टॉक पर फिदा हैं। सितंबर तिमाही में जहां इनकी हिस्सेदारी 4.46 पर्सेंट थी, वहीं दिसंबर तिमाही में उछलकर 7.05 फीसद हो गई। इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने अपनी शेयर होल्डिंग 11.76 फीसद से बढ़ाकर 15.01 फीसद कर ली है। पब्लिक और अन्य की हिस्सेदारी इस दौरान 3.67 फीसद से घटकर 3.52 रह गई है।

बच्चों में बढ़ रहा अकेलापन

यदि हम स्वयं से एक प्रश्न पूछें कि क्या इस दौर के बच्चों और किशोरों में भावनात्मक अकेलापन बढ़ रहा है? तो जवाब होगा जी हां बिल्कुल! कहने को तो चारों तरफ बहुत हलचल है। ये रफ्तार का जमाना है। लिहाजा बच्चे भी कहीं खत्म न होने वाली एक अनंत दौड़ में शामिल हो गए हैं। स्कूल के घंटे खत्म हुए कि कोचिंग क्लास जाना है। परीक्षा खत्म हुई और लो फिर स्कूल शुरू।

मस्ती में दिन गुजारने वाली छुटियां अतीत की बात हो गई। आज का बच्चा तो रथों की रेस का घोड़ा है जो हर दम जुता हुआ है। उसकी वल्गाएं अभिभावकों, शिक्षकों और उन शिक्षाविदों के हाथ में है जिन्होंने आज के बच्चों की जिंदगी में छुट्टी का पीरियड ही नहीं बनाया। बच्चे अपने दोस्त और सहेलियां पहले भी बनाते थे और अब भी बनाते हैं। आज भी उनका कोई एक मित्र होता है जो घनिष्ठ मित्र होता है या दो-तीन मित्रों का ऐसा समूह होता है जो एक दूसरे को समझते, जानते, चाहते हैं। मगर पढ़ाई का बोझ, कुछ कर गुजरने और शीर्ष पर रहने की अपेक्षाओं का बोझ दोस्तों से इनकी भावनात्मक निकटता को फलने-फूलने का समय नहीं देता। इनका समय एक दूसरे से नोट्स का आदान-प्रदान करने में जितना जाता है उतना समय वे एक-दूसरे से मन की बात करने में नहीं निकाल पाते। संयुक्त परिवार टूट गए हैं। अब घर पर भी बच्चे समूह में नहीं रहते। पिछले बीस वर्षों में जमाना इतना बदला है कि अक्सर पढ़े-लिखे माता-पिता का भी अपने बच्चों से स्पष्ट जनरेशन गैप होता है। अतः किशोर माता-पिता से मन की बात नहीं कह पाते। उन्हें पता है कि वे और माता-पिता संस्कारों के दो अलग छोरों पर खड़े हैं अतः उन्होंने मन की बात कह भी दी तो मां-बाप पचा नहीं पाएंगे। आज के किशोरों की दोस्ती वर्चुअल माध्यम पर भी चलती रहती है। बच्चे पर अच्छी प्रोफाईल बनाने और अच्छा स्टेटस डालने का भी दबाव रहता है। आज का बच्चा 'पीयर प्रेशर' में ही बहुत से काम करता है। उसे दोस्तों को दिखाना, मां-बाप की अपेक्षाएं पूरी करनी है, उपभोक्ता संस्कृति के अनुरूप जीवन जीना है। आज बचपन और किशोरावस्था जटिलताओं से भर गए हैं। लिहाजा हर दूसरे-चौथे दिन किसी किशोर अथवा किशोरी द्वारा आत्महत्या कर लेने की खबरें आती हैं। ये खबरें बाकी माता-पिता, शिक्षकों और समाज के लिए खतरे की घंटी होना चाहिए ताकि वे यह सोचें कि बच्चे के लिए कैरियर के जितनी ही महत्वपूर्ण परिवार से मिलने वाली भावनात्मक सुरक्षा, प्यार और हर हाल में अपनाए जाने का विश्वास भी है। कभी भी बच्चों को यह ताने नहीं मिलना चाहिए कि देखो हम तुम्हारे लिए कितना करते हैं और तुम हो कि अच्छा रिजल्ट नहीं लाते। बच्चों को बार-बार यह एहसास दिलाना उनमें ग्लानि भाव पैदा करता है और जो अंततः अवसाद में भी परिणित हो सकता है।

आर्थिक प्रबंधन में रखें पूरी भागीदारी

बदलते वक्त के साथ अब महिलाओं को आर्थिक प्रबंधन में भी पूरी भागीदारी रखनी चाहिए। गृहिणी हों या कामकाजी, दोनों ही स्थितियों में यह ज़रूरी है कि स्त्रियां अपने वित्तीय पक्ष को मज़बूत करें।

ख़ुद को जानकार बनाएं

सबसे पहले वित्तीय फैसलों में अपनी जानकारी बढ़ाएं। वित्त संबंधी किताबों, ख़बरों और ऑनलाइन विशेषज्ञों की मदद से जानकारी इकट्ठी करें।

बजट प्रबंधन में भाग लें

परिजनों के मध्य आर्थिक और वित्तीय पहलुओं की चर्चा में शामिल रहें। बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी-विवाह और घरेलू व्यय आदि, ये कुछ ऐसे बड़े ख़र्चे हैं, जिनके लिए धन जुटाने के लिए आपकी भी सहमति और सहयोग आवश्यक है। ध्यान रखें कि चर्चा से आप बेहतर विकल्प खोज सकती हैं और आर्थिक आपदा को भी लाभ के अवसर में बदल सकती हैं।

बजट बनाएं, अमल करें

वित्तीय प्रबंधन की पहली सीढ़ी है, अपने आय-व्यय का ब्योरा रखना अर्थात बजट बनाना। बजट बनाने के बाद उस पर अमल करना भी ज़रूरी है। एक कहावत है कि 'तेते पांव पसारिए, जेती लांबी सौर' अर्थात आय के अनुसार ही ख़र्चों को सीमित करें। यदि अतिरिक्त ख़र्च अपरिहार्य हैं, तो उन्हें पूरा करने के लिए सुलभ विकल्पों पर विचार करें।

आकस्मिक कोष बनाएं

मुसीबत कभी कहकर नहीं आती। अनपेक्षित आने वाले ख़र्चों के लिए एक आकस्मिक कोष का निर्माण करें। इससे आप कठिन परिस्थितियों में भी अपनी आर्थिक ज़िम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगी। इसके लिए एकमुश्त अथवा धीरे-धीरे धन जमा करें और उसे एक अलग बैंक खाते में रखें।

बचत भी आय है

कई गृहिणियां यह कहती हैं कि उनकी कोई आय नहीं है। वास्तव में बचत भी आय का एक स्वरूप है। छोटी-छोटी बचत लंबे समय में एक अच्छा कोष एकत्र करने में आपकी मदद कर सकती हैं।

भूख लगने पर शिशु देता है कुछ ऐसे संकेत

शिशु बोलकर आपको अपनी बात या जरूरत नहीं समझा सकता है इसलिए इतने छोटे बच्चे की बात आपको ही समझनी पड़ती है। बड़े बच्चों को जब भी भूख लगती है, वो बोलकर आपको बता देते हैं लेकिन नन्हे शिशु की बात और जरूरत को समझना मुश्किल होता है क्योंकि ये सिर्फ रोकर ही अपनी बात कहते हैं और अभी इन्होंने बोलना शुरू नहीं किया होता है। नवजात शिशु बोलकर अपनी बात नहीं कह सकता है लेकिन वो कुछ संकेतों की मदद से आपको अपनी जरूरत के बारे में जरूर बताता है। अब आपको उसकी बात समझनी होगी।

शिशु से मिलने वाले कॉमन साइन

अगर बच्चा जागा हुआ है और एलर्ट दिख रहा है, तो यह इस बात का साफ संकेत है कि उसे भूख लगी है। आपकी अटेंशन पाने के लिए शिशु अपने शरीर को हिलाता है। वो अपने पैर और हाथ इधर-उधर मारेगा।

पहली बार पेरेंट बने

अगर आप पहली बार पेरेंट बने हैं, तो शिशु की भाषा को समझना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शुरुआत में आपको इसमें दिक्कत हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे आप सब सीख जाएंगे। शिशु की बात समझने में सबसे ज्यादा दिक्कत आती है कि बच्चे को कब भूख लगी है। अगर आपका बच्चा यहां बताए गए कुछ संकेत दे रहा है, तो समझ लें कि उसे भूख लगी है।

कैसे समझें शिशु के संकेत

यदि शिशु लगातार अपनी उंगलियों को मुंह में ले रहा है, तो समझ लें कि उसे दूध पीना है। जब बच्चे को बहुत तेज भूख लगती है, तब वो अपना सिर हिलाने लगता है। बेचैन होने पर बच्चा मुंह भी बनाने लगता है। तेज से रोने का भी यही मतलब है कि शिशु को भूख लगी है। भूख लगने का यह सबसे स्पष्ट संकेत होता है।

दूध पीने के बाद भी रोए तो

नन्हा शिशु रोकर ही अपनी बात कहता है और भूख लगने का सबसे स्पष्ट संकेत भी वो रोकर ही देता है लेकिन कई बार शिशु के रोने की कोई और वजह भी हो सकती है। अगर दूध पीने के बाद भी बच्चा रो रहा है, तो इसके पीछे कोई और कारण हो सकता है। कई शिशु दूध पीने के बाद सोना चाहते हैं इसलिए दूध पिलाने के बाद बच्चे को सुलाने की कोशिश करें।

शिशु के रोने के कारण

आमतौर पर शिशु दिन में सबसे ज्यादा बार भूख लगने पर ही रोता है। वो रोकर आपको यह बताने की कोशिश करता है कि उसे भूख लगी है और दूध पीना है। लेकिन हर बार या हर रोज शिशु भूख की वजह से ही रो रहा है, ये जरूरी नहीं है। पेट दर्द या गैस की वजह से भी शिशु रो सकता है। कई घंटों तक शिशु के रोने की वजह कोलिक पेन भी हो सकता है। अगर आपको शिशु के रोने की वजह समझ नहीं आ रही है तो एक बार डॉक्टर को दिखा लें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर बच्चा कुछ दिनों से लगातार रोकर भूख लगने का संकेत दे रहा है, तो आपके एक बार पीडियाट्रिशियन को दिखा लेना चाहिए। वहीं अगर शिशु को बहुत ज्यादा नींद आ रही है या दूध पिलाने के लिए हर समय आपको उसे उठाना पड़ता है, तो भी आपको डॉक्टर से चेकअप करवाना चाहिए।

स्टेनलेस स्टील से जंग हटाने के लिए अपनाएं यह आसान टिप्स

स्टेनलेस स्टील, एक ऐसा मैटीरियल है, जिसका लगभग हर घर में इस्तेमाल होता है। आपको अपने घर की किचन में ही स्टेनलेस स्टील के कई प्रॉडक्ट्स देखने को मिलेंगे और यह केवल बर्तनों तक ही सीमित नहीं है। न केवल रसोई में, बल्कि स्टेनलेस स्टील के कई अन्य महत्वपूर्ण उपयोग भी हैं जैसे कि इसे पानी के नल, कृषि उपकरण और कई चीजों को बनाने में भी इस्तेमाल किया जाता है। स्टेनलेस स्टील के व्यापक उपयोग का एक सबसे बड़ा कारण यह भी है कि इसमें न केवल लागत कम आती है, बल्कि यह जंग के लिए भी प्रतिरोधी है। दरअसल, इसकी सतह पर एक क्रोमियम फिल्म होती है, जिसके कारण यह जंग प्रतिरोधी है। यही कारण है कि स्टेनलेस स्टील पानी और ऑक्सीजन के संपर्क में आने के बाद भी चमकदार रहता है। लेकिन जैसे ही यह क्रोमियम फिल्म स्टेनलेस स्टील की सतह से हटती है, इसमें जंग लगना शुरू हो जाता है। तो चलिए आज हम यहां आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप स्टेनलेस स्टील से जंग हटा सकते हैं-

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा की मदद से स्टेनलेस स्टील से जंग बेहद आसानी से हटाया जा सकता है। हालांकि इस तरीके को अपनाकर आप छोटे हिस्से से जंग को हटा सकते हैं। इसके लिए आपको 1 चम्मच बेकिंग सोडा 2 कप पानी, एक नरम साफ सूती कपड़ा और एक टूथब्रश की आवश्यकता होगी। इस तरीके को अपनाकर आप सबसे पहले 1 चम्मच बेकिंग सोडा को एक कप पानी में मिलाएं। अब टूथब्रश की मदद से, जंग से प्रभावित हिस्से को रगड़ें। बेकिंग सोडा को नॉन-एब्रेसिव होने के लिए जाना जाता है और इसलिए यह स्टील की सतह से जंग को धीरे से हटा देगा। एक बार जब जंग के दाग साफ हो जाएं तो आप इसे सामान्य पानी से धो सकते हैं और फिर कपड़े की मदद से इसे पोंछें। वहीं अगर एक बड़ा हिस्सा जंग से प्रभावित है तो यह स्टेप्स आपके काम नहीं आएंगे, बल्कि आप इन स्टेप्स को फॉलो करें। इसके लिए आप सबसे पहले सतह को धोएं जैसे कि स्टेनलेस स्टील से बने बड़े कंटेनर को सबसे पहले वॉश करें। सुनिश्चित करें कि आप किसी भी प्रकार के पदार्थ को इससे हटाते हैं। अब स्टेनलेस स्टील उत्पाद के प्रभावित क्षेत्र पर कुछ बेकिंग सोडा छिड़कें। सुनिश्चित करें कि प्रभावित एरिया बेकिंग सोडा के साथ कवर किया गया है। अब इसे 25-30 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। अब

आपको बेकिंग सोडा वाले क्षेत्र को स्क्रब करने की आवश्यकता है। इसके लिए आप एक पुराने टूथब्रश का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि आपको बहुत अधिक आक्रामकता से नहीं, बल्कि धीरे से रगड़ना है। जब आप स्टील की सतह को छोड़ते हुए जंग को देखते हैं, तो आप इसे सामान्य पानी से धो दें। अंत में, इसे एक सूती कपड़े से पोंछ लें।

सिरका का इस्तेमाल

यह एक और तरीका है जिसके द्वारा आप स्टेनलेस स्टील से जंग हटा सकते हैं। आपको बस इतना करना होगा कि प्रभावित जगह पर सिरका लगाएं और इसे सूखने दें। फिर आप टूथब्रश की मदद से इस क्षेत्र को धीरे से साफ कर सकते हैं। इसके बाद, आप सतह को सामान्य पानी से धो सकते हैं और कपड़े की मदद से इसे पोंछ सकते हैं। आप देखेंगे कि जंग पूरी तरह से साफ हो गया है।

बचपन से सही हों खानपान की आदतें

बच्चों की खानपान की आदतें अब कमोबेश हर घर में चिंता का विषय बनती जा रही हैं। बार-बार कहने पर भी फल-सब्जियां ना खाना और जंक फूड खाने की जिद करना आजकल आम है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनकी यह जिद और खाने की चीजों को लेकर किया जाने वाला चुनाव ज्यादा अजीबो-गरीब होता जाता है। अभिभावक चिंता तो करते हैं पर एक समय के बाद वे चाहकर भी बच्चों की खानपान की आदतें नहीं सुधार सकते। नतीजा यह होता है कि ये छोटी-छोटी आदतें आगे चलकर बीमारी की बुनियाद बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि वे समय रहते चेतें। बचपन से ही खानपान की आदतों पर ध्यान दें ताकि आगे चलकर बच्चों की सेहत को नुकसान ना पहुंचे ।

सही पोषण के बारे में बताएं

आजकल बच्चे जबरदस्ती थोपे जाने से कोई काम नहीं करते। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को जो कुछ भी करने को कहें उस काम के फायदे भी समझाएं। धैर्य और सूझबूझ के साथ उन्हें सही पोषण के बारे में बताएं। साथ ही खाने-पीने की अस्वस्थ आदतों को लेकर होने वाले नुकसानों की भी जानकारी दें। यह चिंता का विषय है कि आजकल कम उम्र में ही बच्चों को कई बीमारियां घेर रही हैं। जिसकी सबसे बड़ी वजह अस्वस्थ जीवनशैली ही है। इस अजब- गजब लाइफस्टाइल में खानपान की बिगड़ी आदतें सबसे अहम हैं। इसलिए बच्चों को सेहतमंद बनाने के लिए उन्हें सही पोषण वाला खाना खाने के लिए समझाइश दें।

बच्चों को स्नैक अटैक जैसी आदतों से बचाएं। जो आजकल आम हो चली हैं। छोटी उम्र में ही उन्हें सही और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद खाने के बारे में जानकारी देना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि बचपन में जो स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों को घेर लेती हैं वे जिंदगी भर पीछा नहीं छोड़तीं। इनमें मोटापे जैसी तकलीफ सबसे ऊपर है। अध्ययन बताते हैं कि बचपन में मोटे रहे लोगों में से 50 से 80 फीसदी बड़े होने पर भी मोटापे के शिकार रहते हैं। ध्यान रहे है कि उम्र कोई भी हो मोटापा अपने आप में कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ है। हाल ही में आ रही सभी रिपोर्ट्स कमोबेश यही बताती हैं कि दुनिया भर में मोटापे के मामले बढ़ रहे हैं। बच्चे खासतौर पर बढ़ते वजन की समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। जाहिर है, इस वजह से कम उम्र में ही सेहत से जुड़ी तमाम परेशानियां भी बढ़ रही हैं।

कीजिए सेहत के खतरों का जिक्र

बच्चे खुद अपने स्वास्थ्य और सेहत के लिए सजग नहीं हो सकते। ना ही वे खान-पान की गलत आदतों के खतरों को समझ सकते हैं। उनका मासूम मन केवल स्वाद जानता है। इसलिए उन्हें सेहत के लिए खतरा पैदा करने वाली इस राह पर चलने से रोकने का काम मम्मी-पापा को ही करना होता है। इसके लिए आप उन्हें जंक फूड से होने वाले नुकसान प्यार से समझाएं। अगर उन्हें बाहर का खाना ज्यादा पसंद आता है तो घर में ही स्वाद का बदलाव कर कुछ अच्छा बनाकर खिलाएं और घर के खाने के फायदे भी बताएं। उन्हें समझाएं कि घर में बनाया गया खाना साफ-सुथरा और पौष्टिकहोता है जिसके कई सारे लाभ हैं। इसका एक फायदा यह है कि बच्चों में ऐसी आदतों के जड़ें जमाने से पहले ही वे उनसे बाहर आ जाएंगे। विशषज्ञों का मानना है कि खाने की आदतें बच्चों के व्यवहार को भी प्रभावित करती हैं। इतना ही नहीं बिगड़ता खानपान अनियमित दिनचर्या की भी एक बड़ी वजह बनता है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों में भी आजकल डायबिटीज जैसी बीमारियां देखने को मिल रही हैं। इस तरह की आदतों का असर कई बार मोटापे या बच्चे के वजन कम होने के रूप में भी सामने आता है। खानपान की आदतें घर परिवार के माहौल के मुताबिक भी बनती हैं। इसलिए पहले घर के बड़े अपनी दिनचर्या और आदतों में बदलाव लाएं।

हमेशा मनमानी ना करने दें

खानपान की आदतें स्वाद के साथ ही सेहत भी लिए हों, यह जरूरी है। इसलिए मनचाहा खाने की जिद करने वाले बच्चों को हर बार मनमानी ना करने दें। यदि आप घर में ही प्रोसेस्ड फूड लेकर नहीं आएंगे तो बच्चे कम से कम घर में तो बचे ही रहेंगे। बच्चों के खाने की चीजों में हरी सब्जियां और फल जरूर शामिल करें। हमेशा बच्चों की मनमानी को मान लेना सेहत ही नहीं बिगाड़ता बल्कि व्यवहार को भी उग्र बनाता है। कई बार देखने आता है कि कुछ बच्चे खाना नहीं खाने के लिए भी जिद करते हैं। समय रहते सचेत होना जरूरी है क्योंकि ऐसी आदतें आगे चलकर बच्चों के जीवन पर बुरा असर डालती है। यह चिंता का विषय है कि आज दुनियाभर में 10 प्रतिशत बच्चे ओवरवेट हैं। हमारे यहां भी ये आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया वर्सेस न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया ने क्राइस्टरचर्च में मारी बाजी, न्यूजीलैंड का 2-0 से किया सूपड़ा साफ

क्राइस्टरचर्च, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च टेस्ट में 3 विकेट से हराकर दो मैच की सीरीज में मेजबानों को 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दूसरे टेस्ट को जीतने के लिए कंगारुओं को 279 रनों का टारगेट मिला था। इस स्कोर को ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी की 98 रनों की नाबाद पारी के दम पर 3 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। मिचेल मार्श का भी इस रनचेज में अहम रोल रहा, उन्होंने 80 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं कप्तान पैट कमिंस अंत में 32 रन बनाकर कैरी के साथ नाबाद रहे। दोनों के बीच 8वें विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। एक समय ऐसा था जब कंगारुओं की आधी टीम 80 के स्कोर पर पवेलियन लौट गई थी तब कैरी ने मार्श के साथ मिलकर 140 रन जोड़े और टीम को जीत की राह दिखाई।

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में काफी कुछ हासिल कर लिया है। बात मुकाबले की करें तो, टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में सस्ते में सिमट गई। मेजबान टीम का कोई भी बल्लेबाज क्राइस्टचर्च टेस्ट की पहली पारी में 40 से अधिक रन नहीं बना पाया, नतीजा यह रहा कि पूरी टीम 162 रनों पर ढेर हो गई। जोश हेजलवुड ने इस दौरान पंजा खोला, वहीं मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट चटकाए। स्टार्क इन तीन विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में चौथे पायदान पर पहुंचे।

यूजीलैंड के इस स्कोर के सामने ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 256 रन बोर्ड पर लगाए। मार्नस लाबुशेन ने इस दौरान 90 रनों की शानदार पारी खेली, मगर उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के सभी बल्लेबाजों ने निराश किया। इस दौरान मेजबान टीम के तेज गेंदबाज मैट हैनरी की धारधार गेंदबाजी देखने को मिली। हैनरी ने इस पारी में कुल 7 शिकार किए। 94 रनों से पिछड़ रही न्यूजीलैंड की टीम ने दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 372 रन बोर्ड पर लगाए।

टॉम लैथम (73), केन विलियमसन (51), रचिन रविंद्र (82) और डेरेल मिचेल (58) के अर्धशतकों की मदद से टीम इस स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही और कीवी टीम ने मेजबानों के सामने जीत के लिए 279 रनों का लक्ष्य रखा। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में पैट कमिंस और नाथन लायन चमके जिन्होंने क्रमशः 4 और तीन विकेट लिए।

पैरा गेम्स

दीपा मलिक बोलीं- उचित सुविधा उपलब्ध होने पर ज्यादा अंतरराष्ट्रीय पैरा स्पर्धाएं आयोजित कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपा का पीसीआई अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल शनिवार को दो बार के पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक देवेंद्र झाझरिया के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के साथ समाप्त हो गया। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की पूर्व प्रमुख दीपा मलिक ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों को उचित सुविधाएं मुहैया कराने से ही देश में अधिक से अधिक बड़ी अंतरराष्ट्रीय पैरा प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकती हैं। दीपा का पीसीआई अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल शनिवार को दो बार के पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक देवेंद्र झाझरिया के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के साथ समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि होटल, होस्टल और सार्वजनिक परिवहन को दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए 'यूजर फ्रैंडली' (इस्तेमाल के अनुकूल) बनाया जाना चाहिए। दीपा ने शनिवार को कहा, ''अगर हमें बड़े पैरा खेल आयोजनों की मेजबानी करनी है और यहां तक कि दिव्यांग (विकलांग लोगों) की आबादी का समर्थन करना है तो हमें सार्वजनिक परिवहन, होटल और होस्टल में सुविधा मुहैया कराने पर काम करने की जरूरत है।

ऋषभ पंत की वापसी पर संशय बरकार, कोच पोंटिंग ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत इस वक्त टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। फैंस को उनकी वापसी का इंतजार है, जो अब आईपीएल

2024 के जरिए मुमकिन होने वाला है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि वह ऋषभ पंत की वापसी को लेकर खास प्लान तैयार कर रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने के बाद पंत आईपीएल के आगामी सीजन में क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिकी पोटिंग ने कहा, हमें एक बड़ा फैसला लेना होगा। अगर ऋषभ पंत फिट हुए तो हम चाहेंगे कि वह कप्तानी के लिए भी आगे आएं, लेकिन अगर वे पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं तो हम कोशिश करेंगे कि उन्हें कोई और रोल दिया जाए। हमें अभी भी कुछ फैसले लेने हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ने वापसी के लिए काफी प्रयास किए हैं और हाल के अभ्यास सत्रों में उनकी सहभागिता से लगता है कि दिल्ली कैपिटल तैयारी में है कि मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ 23 मार्च को वह मैदान पर हों।

पोंटिंग ने कहा, उसने पिछले कुछ हफ्तों में अभ्यास मैच खेले हैं, जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा है। मुझे पता है कि उसने अपने शरीर और अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। ताकि वह उस स्तर पर वापस आ सके जिसके लिए वो जाना जाता है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने दिसंबर 2022 में खतरनाक कार दुर्घटना और महीनों के दर्द को सहन करनेवाले पंत की वापसी को लेकर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं और पंत की वापसी को लेकर काफी उम्मीदें लगाए बैठा हूं। केवल दिल्ली कैपिटल्स के कोच के रूप में नहीं, बल्कि मैं उन्हें फिर से क्रिकेट खेलते हुए देखना चाहता हूं।

आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर महिला डब्ल्यू-35 टेनिस टूर्नामेंट

एकेटेरिना, कोशिशि, दारिया व वैष्णवी अगले दौर में

भारतीय टेनिस महासंघ के तत्वावधान में मध्यप्रदेश टेनिस संघ व इंदौर टेनिस क्लब द्वारा प्रायोजित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर डब्ल्यू-35 डॉलर 25000 इनामी राशि महिला टेनिस टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग राउंड में ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। अधिकांश वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आसानी से क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे दौर में जीतकर फाइनल राउंड में पहुंची।

इंदौर टेनिस क्लब में खेली जा रही इस प्रतिष्ठित महिला टेनिस स्पर्धा के क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे दौर के मुकाबले खेले गए, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की एकेटेरीना यासिना ने भारत की रिया उबोवेजा को आसानी से 6-2, 6-2 से पराजित कर मुख्य द्वार के लिए अपनी दावेदारी कायम रखी है। वहीं दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की कोशिशि अयुमि ने भारत की ललित्या काल्लूरी को 6-0, 6-2 से, रूस की तीसरी वरीयता प्राप्त उदोसोवा दरिया ने रूस की ही अनास्तासिया सर्गलेंको को 6-2, 6-0 से, चैथी वरीयता प्राप्त जापान की अकीको ओमेय ने भारत की अरथी मुनियन को 6-4, 6-1 से, रूस की अनास्तासिया जोलोराटेवा ने भारत की लक्ष्मी प्रभा को 6-2, 5-7, 10-7 से, जापान की छठी वरीयता प्राप्त ओझकी मिचिका ने भारत की अंजलि राठी को 6-7, 6-3, 11-9 से, 7वीं वरीयता प्राप्त कोरिया की ली गियोंग सीओ ने काव्या खिरवार को 6-3, 6-3 से, आठवीं वरीयता प्राप्त वैष्णवी अड़कर ने अमेरिका की श्रेया अतुरू को आसानी से 6-0, 6-3 से हराकर क्वालीफाइंग दौर के तीसरे राउंड में प्रवेश किया।

अन्य मुकाबलों में भारत की ही हुमेरा बहरमुस ने अदिति रावत को 6-0, 6-4 से जापान की रीनून ओकुवकी ने सोनल पाटिल को 6-2, 6-0 से, जापान की मेई हासेगावा ने भारत की प्रतिभा नारायण प्रसाद को 6-1, 6-1 से, सौम्या विज ने अभया वेमुरी को 4-6, 6-2, 10-8 से, माया राजशेखरन रेवंथी ने 14वीं वरीयता प्राप्त जेनिफर लुइखम को 6-2, 6-2 से हराकर स्पर्धा से बाहर कर दिया। वहीं सोहा सादिक ने हर्षिनी विश्वानन्द को 6-2, 6-1 से, सुहीथा मारूरी ने पूजा इंग्ले को 6-4, 6-4 से पराजित कर फाइनल राउंड में अपनी जगह सुनिश्चित की।

भारतीय टेनिस महासंघ के महासचिव अनिल धूपर ने बताया कि इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय महिला टेनिस स्पर्धा का विधिवत शुभारंभ पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में एवं पुष्यमित्र भार्गव, महापौर, इंदौर नगर निगम, के विषेष आतिथ्य में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे होगा।

ऋचा घोष का चमत्कार भी नहीं आया रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के काम

दिल्ली ने एक रन से जीता मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम महिला प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में पहुंच गई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ दिल्ली को इस मुकाबले में आखिरी गेंद पर जीत मिली। आखिरी दो गेंद पर आरसीबी को 8 रन चाहिए थे। ऋचा घोष ने छक्का मार दिया। फिर एक गेंद पर दो रन चाहिए था लेकिन पहला रन लेने की कोशिश में ही रिचा रन आउट हो गईं। इस तरह दिल्ली को एक रन से जीत मिली। पहले खेलते हुए दिल्ली ने इस मैच में 181 रन बनाए थे। आरसीबी की टीम 180 रन ही बना सकी।

ऋचा की पारी नहीं आई काम

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने आरसीबी को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया और वह अंतिम गेंद पर रन आउट हो गयी जब टीम को जीत के लिए एक गेंद में दो रन की जरूरत थी। अंतिम गेंद पर रन आउट होने से पहले ऋचा ने 29 गेंद में चार चौके और तीन छक्के जड़ित 51 रन बनाये। ऋचा के अलावा आरसीबी के लिए एलिस पैरी ने 49 रन, सोफी मोलिनेक्स ने 33 रन और सोफी डेविने ने 26 रन बनाये।

आरसीबी ने कप्तान स्मृति मंधाना (05) का विकेट दूसरे ही ओवर में गंवा दिया। लेकिन सोफी मोलिनेक्स और एलिस पैरी ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 57 गेंद में 80 रन की भागीदारी कर टीम को और झटके नहीं लगने दिये। पैरी के रन आएट होने के बाद मोलिनेक्स भी पवेलियन पहुंच गयी। सोफी डेविने (16 गेंद में एक चौके, दो छक्के से 26 रन) और ऋचा ने चौथे विकेट के लिए 32 गेंद में 49 रन बनाकर टीम की उम्मीद कायम रखी।

डेविन के आउट होने से सभी की निगाहें ऋचा पर लगी थीं। जेस जोनासेन के अंतिम ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 17 रन बनाने थे। ऋचा ने पहली गेंद पर छक्का जड़ा, अगली गेंद पर कोई रन नहीं बना। तीसरी गेंद पर दिशा कसात रन आउट हुईं। चौथी गेंद पर ऋचा ने दो रन लिये और अगली गेंद को डीप मिडविकेट पर गगनचुंबी छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया। पर अंतिम गेंद में शेफाली वर्मा और जोनासेन ने ऋचा को आउट कर आरसीबी की गहरा झटका दिया।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन

सात्विक और चिराग ने युगल खिताब अपने नाम किया

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेंच ओपन बैडमिंटन में सात्विकसाईराज और चिराग ने जलवा बिखेरा है। दोनों ने युगल खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन कर दिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में दोनों ने चीन के ताइपे के ली जे ह्युई और यांग पो ह्वेन को हराकर पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में भी कोरियाई जोड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 40 मिनट में अपने नाम किया। इसके बाद फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के ली झे हुई और यांग पो ह्वान को हराया। इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को हराया था।

इस साल तीसरा फाइनल खेला, जीता पहला खिताब

भारतीय जोड़ी ने इस साल लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, वह इस साल एक भी खिताब नहीं जीत पाए, लेकिन रविवार को दोनों ने अपना पहला खिताब हासिल कर लिया। फ्रेंच ओपन में यह जोड़ी तीसरी बार फाइनल में पहुंची। सात्विक और चिराग ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में कोरिया की जोड़ी को 21-13, 21-16 से हराया था।

प्रीमियर लीग: ब्रेंटफोर्ड पर जीत से शीर्ष पर पहुंचा आर्सेनल, हैवर्त्ज के अंतिम पलों में गोल से हासिल की जीत

लंदन, एजेंसी। काई हैवर्त्ज के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत आर्सेनल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में न सिर्फ ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से पराजित किया बल्कि अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा भी जमा लिया। हैवर्त्ज ने 86वें मिनट में आर्सेनल के लिए विजयी गोल किया।

इससे पहले डेकलान राइस ने 19वें मिनट में आर्सेनल के लिए और योआने विस्सा ने पहले हाफ के स्टापेज समय में ब्रेंटफोर्ड के लिए गोल किया था। आर्सेनल ने इस जीत के साथ शीर्ष पर मौजूद लिवरपूल पर एक अंक की बढ़त बना ली है। रविवार की रात लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच खेला जाने वाला मुकाबला अगर बराबरी पर छूटता है तो गोल औसत के आधार पर आर्सेनल की अंक तालिका में बढ़त कायम रहेगी।

आर्सेनल की लगातार आठवीं जीत

2024 में आर्सेनल की यह लगातार आठवीं जीत है। पिछले चार मैचों में 21 गोल करने वाला आर्सेनल इस मैच में पिछला प्रदर्शन नहीं दोहरा पाया।

19वें मिनट में बेन व्हाइट के क्रास पर राइस ने हेडर के जरिए गोल किया। ब्रेंटफोर्ड को बराबरी गोलकीपर एरोन राम्सडेल की गलती से मिली। राम्सडेल ने काफी समय तक अपने पास गेंद रखी। विस्सा ने उनके क्लियरेंस को ब्लाक किया। गेंद विस्सा से टकराकर खाली पड़े गोल में चली गई।

हालांकि उन्होंने दूसरे हाफ में दो बेहतरीन बचाव भी किए। 74वें मिनट में राइस को गोल करने का शानदार अवसर मिला, लेकिन दूर से लिया गया उनका शॉट क्रासबार से टकराकर बाहर निकल गया। आर्सेनल के दूसरे गोल में भी बेन व्हाइट ने भूमिका निभाई। उनके पास पर हेवट्र्ज ने गोल किया। कोच माइक आर्टेटा ने कहा कि हमें जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन वह टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। ब्रेंटफोर्ड ने पिछले पांच मैचों से जीत हासिल नहीं की है। ब्रेंटफोर्ड रेलिगेशन जोन से सिर्फ पांच अंक ऊपर है।

मैं हूं ना के ऑडिशन में

राखी ने बुर्के के अंदर पहनी थी सिर्फ बिकिनी

एक्ट्रेस राखी सावंत ने शाहरुख खान और सुष्मिता सेन स्टारर फिल्म मैं हूं ना में काम किया था। इसमें उनकी कास्टिंग को लेकर डायरेक्टर फराह खान ने एक मजेदार किस्सा सुनाया है। उन्होंने बताया कि वह बुर्का पहनकर टेस्ट देने पहुंची थीं।

तब सब हैरान रह गए लेकिन जैसे ही राखी ने बुर्का हटाया तो उन्होंने उसके नीचे बिकिनी पहनी थी। फराह खान लगातार खबरों में बनी रहती हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि तीस मार खां के लिए वह कटरीना को कास्ट करने के फेवर में नहीं थीं। वहीं, अब उन्होंने मैं हूं ना से जुड़ा एक अतरंगी किस्सा सुनाया है। साथ ही राखी सावंत का कैसे ऑडिशन हुआ था। उन्होंने बताया कि बतौर डायरेक्टर उनकी ये पहली फिल्म थी। फराह मुकेश छाबड़ा को दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि दार्जिलिंग में फिल्म की शूटिंग शुरू होने के दो दिन बाद राखी सावंत मैं हूं ना की शूटिंग में शामिल हुई थीं। उन्होंने पहले किसी अन्य एक्ट्रेस को कास्ट किया था, लेकिन उनकी मां की डिमांड थी कि वह शाहरुख के साथ उसी होटल में रुकेंगी। फराह ने बताया, उसकी मम्मी ने बोला वो बड़े होटल में रहेगी, उस होटल में रहेगी जिसमें शाहरुख है।

साउथ सिनेमा में धमाका करने की तैयारी में रणवीर

बॉलीवुड सितारों का साउथ की फिल्मों और साउथ के स्टार्स का हिंदी फिल्मों में काम करने का सिलसिला पिछले कुछ सालों से खूब देखने को मिल रहा है. पिछले साल शाहरुख ने भी साउथ के डायरेक्टर एटली के साथ मिलकर 'जवान' फिल्म बनाई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया था. अब साउथ और बॉलीवुड के इस कोलैबोरेशन में रणवीर सिंह भी एंट्री कर सकते हैं. दरअसल, एक रिपोर्ट की मानें तो रणवीर साउथ सिनेमा के बड़े डायरेक्टर पा. रंजीत के साथ एक एक्शन फिल्म को लेकर बातचीत कर रहे हैं. कहा जा रहा कि दोनों के बीच पिछले कुछ महीने से बातचीत का दौर चल रहा है.

बताया जा रहा है कि रणवीर को भी इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी है. अभी इस फिल्म का टाइटल तो सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ये फिल्म भगवान बिरसा मुंडा के ऊपर बेस्ड होने वाली है. कहा जा रहा है कि रंजीत इस प्रोजेक्ट पर पिछले 2 साल से काम कर रहे हैं और ऐसा प्लान है कि इस साल इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है. हालांकि, अभी तक इस फिल्म पर आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है. आपको बता दें कि रंजीत रजनीकांत के साथ फिल्म 'कबाली' और 'काला' जैसी फिल्मों को बनाने के लिए जाने जाते हैं.

क्रिस्टोफर नोलन ने ओपेनहाइमर से की है 600 करोड़ की कमाई!

ओपेनहाइमर फिल्म और इसके डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन लगातार सुर्खियों में हैं। एक ओर जहां उम्मीद यही है कि ऑस्कर अवॉर्ड 2024 में यह फिल्म धूम मचाने वाली है, वहीं नई रिपोर्ट में दावा किया है कि नोलन ने इस फिल्म से कम से कम 600 करोड़ रुपये की बंपर कमाई की है। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपेनहाइमर की धूम मची है। साल 2023 में इस फिल्म ने जहां ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 957 मिलियन डॉलर यानी करीब 8000 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, वहीं ऑस्कर अवॉर्ड में इस फिल्म को रिकॉर्ड 13 नॉमिनेशन मिले हैं।

रविवार, 10 मार्च की रात (भारतीय समय के अनुसार सोमवार, 11 मार्च सुबह 4 बजे) एकेडमी अवॉर्ड्स की घोषणा होने वाली है। पूरी उम्मीद है कि इसमें भी बेस्ट पिक्चर से लेकर बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सपोर्टिंग रोल समेत सबसे अधकि ऑस्कर अवॉर्ड ओपेनहाइमर की ही झोली में जाएंगे। लेकिन इस बीच फिल्म की कमाई से जुड़ी एक और दिलचस्प जानकारी आई है, जो दंग करने वाली है। बताया जाता है कि क्रिस्टोफर नोलन ने इस फिल्म से कम से कम 600 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। प्रतिष्ठति बिजनस मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिस्टोफर नोलन ने असल में फिल्म से कुल 85 मिलियन डॉलर की कमाई की है। लेकिन उनके एजेंटों और वकीलों की फीस को इसमें से घटाने के बाद कमाई का यह आंकड़ा लगभग 72 मिलियन डॉलर तक पहुंचता है। यानी कम से कम 595 करोड़ रुपये।

देशभक्त हमारे साथ आ जाएं और अंधभक्त उनके साथ जाएं

केजरीवाल ने 2024 की सियासी जंग को बताया धर्मयुद्ध

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिल्ली के बाद हरियाणा में भी अपने चुनावी कैंपेन की शुरुआत कर दी है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कुरुक्षेत्र की जनसभा में महाभारत का जिक्र करते हुए इस सियासी जंग को धर्मयुद्ध करार दिया। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के साथ धर्म है। उन्होंने लोगों से यह तय करने को कहा कि वे धर्म के साथ हैं या अधर्म के साथ हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज देश में दो किस्म के लोग हैं - देशभक्त या अंधभक्त। जितने देशभक्त हैं वो हमारे साथ आ जाओ और जितने अंधभक्त हैं वो उनके साथ चले जाओ।

आप और कांग्रेस गठबंधन के तहत हरियाणा में लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। सीट शेयरिंग के तहत, आप हरियाणा की कुल 10 संसदीय सीटों में से एकमात्र कुरुक्षेत्र सीट पर चुनाव लड़ेगी। रविवार को कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोगों से इस सीट से आप के उम्मीदवार सुशील गुप्ता को वोट देने का आग्रह किया। केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब, हर कोई चाहता है कि खट्टर सरकार जाए। कुरुक्षेत्र सीट पर आप की जीत सुनिश्चित करें...आगे खट्टर की सरकार जाने की खबर आएगी।

केजरीवाल ने जनसभा को संबोधित करते हुए 'महाभारत' का जिक्र किया और कहा कि कुरुक्षेत्र एक पवित्र भूमि है जहां धर्मयुद्ध लड़ा गया था। उन्होंने कहा कि कौरवों के पास सब कुछ होने के बावजूद' पांडवों की जीत हुई थी। उन्होंने कहा कि पांडवों के पास क्या था? भगवान श्री कृष्ण उनके साथ थे। केजरीवाल ने कहा कि आज हमारे पास क्या है। हम बहुत छोटे हैं। भगवान श्री कृष्ण हमारे साथ हैं।

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''उनके पास सब कुछ है। उनके पास सभी शक्तियां हैं। उनके पास आईबी, सीबीआई, ईडी है।''

केजरीवाल ने उपस्थित लोगों से कहा कि हमारा धर्म हमारे साथ है। यह धर्म और अधर्म की लड़ाई है और आपको यह तय करना होगा कि आप धर्म के साथ हैं या अधर्म के साथ। उन्होंने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि वह लोकसभा चुनाव में 370 सीट जीतने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे खुलेआम कह रहे हैं कि उन्हें आपके वोट की जरूरत नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में दो तरह के लोग हैं। उन्होंने कहा कि एक देशभक्त हैं और दूसरा अंधभक्त हैं। उन्होंने कहा, ''जो देशभक्त हैं वे मेरे साथ आएं...हमें अंधभक्त की जरूरत नहीं है।'' केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली से हाथ जोड़कर आपसे वोट मांगने आया हूं। सुशील गुप्ता आपका वोट मांगने के लिए घर-घर जा रहे हैं। हमें चुनाव जीतने के लिए आपके वोट की जरूरत है। उन्हें (भाजपा को) आपके वोट की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

लाल बनाम भगवा की जंग, दिल्ली में लोकसभा से पहले एक और चुनाव का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में एक और सियासी जंग का ऐलान हो गया है। दिल्ली के जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में इसी महीने चुनाव होने जा रहा है। जेएनयू में 22 मार्च को स्टूडेंट यूनियन के लिए मतदान होगा और 24 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे। जेएनयू में चार साल बाद छात्रसंघ का चुनाव होने जा रहा है। जेएनयू के छात्रसंघ चुनाव पर सिर्फ कैंपस नहीं बल्कि इससे बाहर के लोगों की भी खास दिलचस्पी रहती है। वामपंथ का गढ़ कहे जाने वाले जेएनयू में पिछले कुछ सालों में भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी की मजबूती से यहां मुकाबला रोचक हो गया है। पिछला जेएनयूएसयू चुनाव 2019 में हुआ था। कोविड-19 महामारी के समय से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव स्थगित था। जेएनयू में 2019 के छात्रसंघ चुनाव में वामपंथी छात्र संगठनों एसएफआई, आईसा, एआईएसएफ और डीएसएफ के संयुक्त मोर्चे ने शानदार जीत दर्ज की थी। आइशी घोष एबीवीपी के प्रत्याशी को हराकर छात्रसंघ की अध्यक्ष बनी थीं। वोटर लिस्ट 11 मार्च 2024 को प्रदर्शित किया जाएगा। वोटर लिस्ट में आपत्ति के बाद सुधार का काम 12 मार्च को होगा। गुरुवार को 2 से पांच बजे तक नॉमिनेशन फॉर्म भरे जाएंगे। 15 मार्च को सुबह 9=30 से शाम 5 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। शनिवार को स्वीकार गिए गए नामांकन को प्रदर्शन किया जाएगा। उसी दिन 10 बजे से एक बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। शनिवार को तीन बजे उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट सामने आएगी।

एनसीआर में बनने जा रहा एक और क्रिकेट स्टेडियम, बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने किया शिलान्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने गाजियाबाद के राज नगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। साल 2026 स्टेडियम बनकर तैयार हो जाएगा। गाजियाबाद में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने की कवायद पिछले 9 वर्षों से चल रही थी। जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर रविवार को इसका शिलान्यास हुआ। हालांकि , प्रस्तावित स्टेडियम की जमीन से अभी हाई टेंशन लाइन हटने का काम बाकी है। स्टेडियम बन जाने के बाद यहां मैच का आयोजन किया जाएगा। इससे एनसीआर के लोगों को क्रिकेट मैच का लुत्फ मिल सकेगा। इस स्टेडियम में 55 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। प्रथम चरण के दौरान चार सौ करोड़ तथा द्वितीय चरण के दौरान 50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। चारदीवारी निर्माण आदि के लिए साइट पर टेंडर अपलोड कर दिया गया है। अगले दो वर्ष में स्टेडियम के निर्माण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। जरूरत और आधुनिकता को देखते हुए स्टेडियम निर्माण का बजट बढ़ गया है। बीते नौ सालों के दौरान क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की लागत में लगभग 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। अर्थात शुरुआत में जहां निर्माण लागत साढ़े तीन सौ करोड़ आ रही थी, अब वह बढ़कर साढ़े चार सौ करोड़ पहुंच गई है। इस दौरान वीके सिंह ने कहा कि स्टेडियम के आरंभ होने से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। बल्कि गाजियाबाद में आईपीएल मैच का आयोजन भी होगा। उत्तर प्रदेश में इससे पहले लखनऊ और कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पहले से मौजूद हैं। गाजियाबाद में भी स्टेडियम का शिलान्यास होने के बाद अब एनसीआर के लोगों को और भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का लुत्फ मिल सकेगा। गाजियाबाद का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम दो साल के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा। तैयार होने के बाद इस स्टेडियम में 55 हजार दर्शकों के बैठने के लिए व्यवस्था रहेगी।

दिल्ली में चाकू से वार कर पिता पुत्र को मार डाला, मृतक घोषित बदमाश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में रविवार रात झगड़े के दौरान पिता-पुत्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय जय भगवान और 22 वर्षीय सौरभ के रूप में की गई है। इस बाबत हत्या का मामला दर्ज कर मालवीय नगर पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार, रात लगभग 8 बजे चिराग दिल्ली के समीप किसी शख्स को चाकू मारने की कॉल मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को जय भगवान और उसका बेटा सौरभ घायल अवस्था में मिले।

दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। छानबीन के दौरान पता चला कि पड़ोसियों से उनका झगड़ा हुआ था। इसमें पड़ोसियों ने उन पर हमला कर दिया। मारा गया जय भगवान मालवीय नगर थाने का घोषित बदमाश है और उसके खिलाफ पहले हत्या, हत्या प्रयास, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। मालवीय नगर पुलिस इस मामले में फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। बादली रेलवे स्टेशन के पास एएसआई इंद्रेश भट्ट ने शनिवार रात ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को शव के पास दो पेज का सुसाइड मिला है, जिसमें अवसाद ग्रस्त होने की बात सामने आई है। एएसआई इंद्रेश भट्ट वर्तमान में कंझावला थाने में इंमरजेंसी ड्यूटी करता था, लेकिन लोकसभा चुनाव की वजह से बवाना सेक्टर प्रभारी के साथ एक हफ्ते से इंद्रेश भट्ट को अटैच कर दिया गया था। एएसआई की शनिवार को छुट्टी थी, इसलिए वह शाम को घर से निकला और बादली रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। जब लोगों ने शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी। शव के पास दिल्ली पुलिस के आईकार्ड से पहचान की गई और कंझावला थाने को सूचना दी गई।

नमो भारत ट्रेन ने एक और पड़ाव किया पार, सुरंग के बाद रैंप भी बनकर तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। एनसीआरटीसी ने नमो भारत ट्रेन के दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर गाजियाबाद खंड में सुरंग बनने के बाद इससे बाहर निकलने के लिए रैंप का निर्माण कार्य भी पूरा कर लिया। इससे आनंद विहार अंडरग्राउंड स्टेशन साहिबाबाद की ओर एलिवेटेड खंड से जुड़ गया है। रैंप पर ट्रैक बिछाने का काम जल्द शुरू होगा।

रैंप में भी अप और डाउन लाइन बनाई गई है। रैंप की लंबाई लगभग 600 मीटर और चौड़ाई लगभग 15 मीटर है। इसमें ट्रैक स्लैब का निर्माण पूरा होने के बाद अन्य कार्य कर लिए गए हैं। रैंप में जल्द ट्रैक बिछाने का काम शुरू होगा। आनंद विहार से साहिबाबाद की ओर बनाई सामांतर सुरंग वैशाली मेट्रो स्टेशन के सामने तक है। सुरंग की लंबाई लगभग दो किलोमीटर है। इस समय सुरंग में अन्य काम चल रहा है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

आनंद विहार से साहिबाबाद के बीच दो किलोमीटर लंबी सुरंग निर्माण के लिए लगभग 9500 से अधिक हाई-प्रीसीशन वाले प्री-कास्ट टनल

दिल्ली में फिर बिगड़ेगा मौसम, तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में इस बार देरी से हुई बर्फबारी का असर दिल्ली के मौसम पर भी देखने को मिल रहा है। बर्फबारी वाले इलाके से आने वाली हवा के चलते राजधानी में अभी भी सुबह और शाम की ठंड बनी हुई है। पिछले साल की तुलना में मार्च के दस दिन का अधिकतम तापमान चार डिग्री से कम है।

राजधानी समेत पूरे उत्तर भारत में ही इस बार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। फरवरी के दूसरे पखवाड़े के बाद से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल से लेकर उत्तराखंड में तमाम जगहों पर अच्छी बर्फबारी हुई है। मार्च की शुरुआत में भी बर्फबारी देखने को मिली है। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत के मौसम पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। आमतौर पर मार्च में लोग को गर्मी महसूस होती है, लेकिन दिल्ली में अभी सुबह और शाम की ठंड बनी हुई है। मार्च के पहले दस दिन की तुलना पिछले साल से करें तो पिछले साल 10 में से नौ दिन ऐसे रहे थे।

रेवाड़ी में भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत, खाटू श्याम से गाजियाबाद लौट रहे थे मृतक

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के करीब हरियाणा के रेवाड़ी में रविवार देर रात मसानी गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने छह लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में चार महिलाओं सहित 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, रेवाड़ी के खरखड़ा गांव के चार युवक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार को टक्कर मारने वाला एसयूवी कार चालक ने शराब पी हुई थी।

पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद की अजनारा ग्रीन सोसाइटी के रहने वाले शिखा, नीलम, पूनम, रंचना कपूर रविवार को राजस्तान के खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने गए थे। दर्शन कर वह कार से वपस लौट रहे थे। रेवाड़ी जिले के मसानी गांव के पास उनकी कार का टायर पंक्चर हो गया। कार चालक विजय कुमार कार को सड़क किनारे लगाकर टायर बदल रहा था, वहीं चारों महिलाए कार के पास बाहर खड़ी हुई थीं। इसी दौरान रेवाड़ी से तेज गति से आ रही एक कार ने उनकी कार और महिलाओं को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टकराने के बाद दोनो कारें पलट गईं। हादसे के बाद गाजियाबाद की सोसाइटी और रेवाड़ी के गांव खरखड़ा में मातम छा गया।

हादसे के चलते गाजियाबाद की अजनारा ग्रीन सोसाइटी के रहने वाली शिखा, नीलम, पूनम, रंचना कपूर व चालक विजय की मौत हो गई। वहीं दूसरी कार में सवार रेवाड़ी के गांव खरखड़ा के रहने वाले सोनू, अजय, सुनील, भोलू व मिलन घायल हो गए।

मरने वालों में यूपी के गाजियाबाद निवासी 58 वर्षीय रोशनी, 54 वर्षीय नीलम, 50 वर्षीय पूनम जैन, 40 वर्षीय शिखा के अलावा हिमाचल का रहने वाला ड्राइवर 40 वर्षीय विजय और रेवाड़ी के गांव खरखड़ा निवासी 24 वर्षीय सुनील शामिल हैं। वहीं घायलों में रेवाड़ी के गांव खरखड़ा निवासी 24 वर्षीय रोहित, 35 वर्षीय अजय, 23 वर्षीय सोनू, 46 वर्षीय रजनी, 28 वर्षीय मिलन खरखड़ा,50 वर्षीय बरखा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, लगभग रात 12 बजे जब दोनों कार टकराईं। लोगों की चीख पुकार सुनकर गांव मसानी के आसपास लोगो ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को रेवाड़ी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर थाना धाारूहेड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

इजराइल के हमले में तीन लेबनानियों की मौत

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सैन्य सूत्रों ने मीडिया को बताया कि दक्षिणी लेबनान के हेब्बारिये गांव पर इजराइली हवाई हमले में इस्लामिक समूह की सैन्य शाखा अल-फज्र फोर्सेज के तीन सदस्य मारे गए और एक घायल हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नाम न छापने की शर्त पर सूत्रों ने रविवार को बताया कि इजराइली युद्धक विमानों ने एक वाहन पर चार मिसाइलें दागीं। हमले में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और चौथा घायल हो गया। नागरिक सुरक्षा इकाइयों और रेड क्रॉस के सदस्यों ने शवों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। गौरतलब है कि सुन्नी सशस्त्र समूह अल-फज्र फोर्सेज ने हाल ही में दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना के खिलाफ कई सैन्य अभियान चलाए हैं।

हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा पट्टी में चल रहे इजरायली हमलों में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 31,000 से ज?यादा हो गया है। रविवार को जारी बयान के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने तटीय क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में 85 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 130 अन्य को घायल कर दिया, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 31,045 हो गई और 72,654 लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि भारी बमबारी, नागरिक सुरक्षा पर संकट और एम्बुलेंस कर्मचारियों की कमी के बीच कुछ पीड़ित मलबे में दबे हुए हैं।7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के जरिए शुरू हुए उत्पात के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने के लिए इजरायल गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है। हमलों में लगभग 1,200 लोग मारे गए और 240 से अधिक को बंधक बना लिया गया।

पाकिस्तान में उथल-पुथल का असर: 5 वर्षों में 25 लाख से अधिक पाकिस्तानी कामगारों ने छोड़ा देश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के लोग आर्थिक उथल-पुथल और राजनीतिक अनिश्चितता के बीच लोग देश छोड़ भाग रहे हैं। पाकिस्तान में प्रतिभा पलायन कितना गंभीर हो गया है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले पांच वर्षों में 25 लाख से अधिक पाकिस्तानी कामगारों ने देश छोड़ दिया। पाकिस्तान एयरलाइन के एक कर्मचारी के कनाडा में बसने के लिए गायब हो जाने का हालिया मामला प्रतिकूल घरेलू परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान में प्रतिभा पलायन की बढ़ती प्रवृत्ति को उजागर करता है। यहां तक कि अयोग्य श्रमिक भी आजीविका के लिए विदेशों में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। बेहतर जीवन के लिए देश छोड़कर अन्यत्र जाने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई है। 2023 में, लगभग 860,000 उच्च योग्य और कुशल पेशेवरों ने पाकिस्तान छोड़ दिया, जो एक साल पहले की तुलना में 60,000 अधिक और 2015 के बाद से सबसे अधिक था। अंतिम प्रकाशित वैश्विक मानव विकास सूचकांक में पाकिस्तान 161वें स्थान पर और नवीनतम वैश्विक भूख सूचकांक में 125 देशों में से 102वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात में काम करने वाली युवा व्यवसाय विकास पेशेवर अतिया खान पाकिस्तान वापस नहीं लौटना चाहतीं। उन्होंने कहा, सुरक्षा से लेकर अर्थव्यवस्था तक कई प्रतिकूल कारक हैं, जो मेरे जैसे युवाओं को अपनी मातृभूमि से दूर धकेलते हैं।

डॉ सकारिया करीम लिखते हैं कि राजनीतिक अस्थिरता, असहनीय मुद्रास्फीति, और बढ़ती धार्मिक उग्रवाद पाकिस्तानियों को बाहर निकाल रहे हैं। राजनीतिक अस्थिरता, असहनीय मुद्रास्फीति और बढ़ता धार्मिक उग्रवाद प्रमुख कारक हैं जो पाकिस्तानियों को बाहर कर रहे हैं। मई 2023 में मुद्रास्फीति 37 प्रतिशत को पार कर गई थी, जबकि खाद्य मुद्रास्फीति 48.65 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। बेरोज़गारी और कम मज़दूरी ने समस्या को और बढ़ा दिया। डिजिटल मार्केटिंग पेशेवर सना हाशिम ने कहा, मेरे जैसा वेतनभोगी व्यक्ति वास्तव में संघर्ष कर रहा है क्योंकि हाल के महीनों में कीमतें आसमान छू रही हैं। मेरी आय नहीं बढ़ी है, लेकिन मुद्रास्फीति बढ़ गई है।

धार्मिक उग्रवाद के घातक खतरे से जूझ रहा बांग्लादेश, कट्टरवाद का पुनरुत्थान कर रहा लोकतंत्र को कमजोर

ढाका, एजेंसी। दशकों से बांग्लादेश राष्ट्र धार्मिक उग्रवाद के घातक खतरे से जूझ रहा है। कट्टरवाद की घातक ताकत देश की धर्मनिरपेक्ष नींव और लोकतांत्रिक आदर्शों को कमजोर करना चाहती है। इस नापाक एजेंडे में सबसे आगे जमात-ए-इस्लामी खड़ा है, जो एक कट्टरपंथी इस्लामी समूह है, जिसका असहिष्णुता, हिंसा और अलोकतांत्रिक विचारधाराओं को बढ़ावा देने का एक लंबा और घिनौना इतिहास है। विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (ङ्घहृक्क) के साथ इसके अपवित्र गठबंधन से उत्साहित छ्वश्वढ्ढ का हालिया पुनरुत्थान उन सभी लोगों के लिए एक खतरनाक चेतावनी है जो बांग्लादेश में शांति, बहुलवाद और प्रगति को महत्व देते हैं। यह अशुभ मिलन न केवल देश की कड़ी

मेहनत से हासिल की गई स्थिरता के लिए अस्तित्वगत खतरा पैदा करता है, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। जब इसके सदस्यों ने बांग्लादेशी लोगों के खिलाफ नरसंहार, बलात्कार और हिंसा के भयानक कृत्यों को अंजाम देने में पाकिस्तानी सेना के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया था। इस काले अध्याय के निशान बहुत गहरे हैं, अनुमान है कि 200,000 से 400,000 के बीच महिलाएँ अत्यधिक पीड़ा और उत्पीड़न की इस अवधि के दौरान छ्वश्वढ्ढ द्वारा चलाए गए बलात्कार और यौन दासता के व्यवस्थित अभियान का शिकार हुईं। मानवता के खिलाफ अपने अच्छी तरह से प्रलेखित अत्याचारों और अपराधों के बावजूद, छ्वश्वढ्ढ स्वतंत्रता के बाद के युग में खुद को पुनर्जीवित करने में कामयाब रहा, और देश के मामलों में फिर से पैर जमाने के लिए मौजूदा राजनीतिक माहौल का फायदा उठाया। छ्वश्वढ्ढ ने अपने अधिनायकवादी एजेंडे को लगातार आगे बढ़ाया है, लोकतांत्रिक संस्थानों को खत्म करके और शरिया कानून की कठोर व्याख्या लागू करके एक इस्लामी राज्य स्थापित करने की मांग की है। समूह का अंतिम लक्ष्य बांग्लादेश में एक इस्लामी राज्य की स्थापना करना है, और यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए क्रूर रणनीति अपनाने से नहीं कतराता है, जिससे रक्तपात और विनाश का निशान छोड़ जाता है। इसके अलावा, जेईआई की छात्र शाखा, इस्लामिक छात्र शिबिर, पार्टी के चरमपंथी एजेंडे के पीछे एक प्रेरक शक्ति रही है, जो विश्वविद्यालय परिसरों और उसके बाहर हिंसा और अशांति भड़काती है। शिबिर को रोहिंग्या चरमपंथियों को प्रशिक्षित करने, क्षेत्र में पहले से ही अस्थिर स्थिति को और खराब करने और पड़ोसी क्षेत्रों को अस्थिर करने में योगदान देने में भी शामिल किया गया है।

हमास के खिलाफ बेंजामिन नेतन्याहू फिर तैयार

येरुशलम, एजेंसी। हमास के खिलाफ इजरायल फिर कार्रवाई तेज करने की तैयारी में है। रविवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिर इसके संकेत दे दिए हैंठ। उनका कहना है कि इजरायल यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोबारा 7 अक्टूबर जैसा हमला न हो। इजरायल राफा में सैन्य कार्रवाई शुरू करने की योजना तैयार कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को नेतन्याहू ने कहा, हम वहां जाएंगे। हम छोड़ने वाले नहीं हैं। आप जानते हैं मेरी एक सीमा है। आप जानते हैं कि सीमा क्या है? वो 7 अक्टूबर दोबारा नहीं होगा। दोबारा कभी नहीं होगा। ऐसा करने के लिए हमें हमास के आतंकवादियों की सेना को खत्म करना होगा। 7 अक्टूबर को फिलिस्तीनी समूह हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला कर दिया था। साथ ही उस दौरान सैकड़ों लोगों को बंधक बनाए जाने की खबरें भी थीं। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को कहा कि उन्हें लगता है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में हमास के खिलाफ अपने युद्ध के तरीके से इजरायल की मदद करने के बजाय उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। अमेरिकी नेता ने सात अक्टूबर के हमले के बाद हमास के खिलाफ कार्रवाई के इजरायल के अधिकार के प्रति समर्थन जताया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।